R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 14
अंक : 352
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
सोमवार, 01 सितम्बर, 2025

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

3 अपनी घिनौनी भाषा के लिए पूरे देश से माफी ...
5 सरकारी हैंडपंपों में समरसेबल न लगाने संबंधी चेतावनी
7 अजुल गाने पर बढ़ा विवाद तो गुरु रंधावा ने ...

असम राइफल्स ने मिजोरम के चम्फाई में आग्नेयास्त्र और गोला-बारूद बरामद किया

गुवाहाटी **(एजेंसी)**। असम राइफल्स ने मिजोरम के चम्फाई जिले में एक अभियान के दौरान भारी मात्रा में आग्नेयास्त्र, गोला-बारूद और युद्ध से संबंधित सामग्री जब्त की। असम राइफल्स ने रविवार को एक बयान में यह जानकारी दी। बयान के मुताबिक खुफिया जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए अर्धसैनिक बल ने 29 अगस्त को चम्फाई जिले के सैकुम्फई गांव में तलाशी अभियान चलाया और एक मकान को घेर लिया।

अर्धसैनिक बल ने बयान में कहा कि तलाशी अभियान के दौरान टीम ने शुरुआत में मकान से 12 बोर की एक राइफल, एक पिस्तौल, गोला-बारूद और विस्फोटक बरामद किए। असम राइफल्स की टीम ने मकान के पास के जंगल में अपनी तलाशीजारी रखी और एक छिपे हुए भंडार का पता लगाया जिसमें बड़ी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद, विस्फोटक और युद्ध संबंधी अन्य सामग्री थी। बयान में कहा गया कि इस जखीरे में एक हेकलर और कोच जी3 असॉल्ट राइफल, दो स्निंगफील्ड स्नाइपर राइफल, दो शॉटगन, एक एमए असॉल्ट राइफल और दो हैंड ग्रेनेड शामिल हैं। इसके अलावा जंगल में तलाशी के दौरान भी आग्नेयास्त्रों के कारतूस बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि मकान के मालिक को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। जब्त किए गए आग्नेयास्त्र, गोला-बारूद और युद्ध सामग्री को आरोपियों के साथ आगे की जांच के लिए चम्फाई जिले के डुंगतलांग में राज्य पुलिस को सौंप दिया गया है।

ओडिशा के आदिवासी छात्र शुभम सबर ने नीट पास कर रचा इतिहास, खुद मजदूरी कर भरी मेडिकल कॉलेज की फीस

भुवनेश्वर **(एजेंसी)**। ओडिशा के खुर्दा जिले में रहने वाले एक गरीब आदिवासी परिवार के 19 वर्षीय शुभम सबर ने नीट परीक्षा पास कर अपनी लगन और मेहनत का लोहा मनवाया है। उन्होंने न केवल यह कठिन परीक्षा उत्तीर्ण की, बल्कि पैसों की कमी के कारण खुद मजदूरी करके अपनी एडमिशन फीस भी जमा की। शुभम का दाखिला ओडिशा के बरहामपुर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में हुआ है। अपनी सफलता के बारे में बात करते हुए उन्होंने बताया, 'मैंने 12वीं के बाद एक साल तक नीट की तैयारी की। हमारे पास पैसे नहीं थे, और न ही यहां इतना काम मिलता था कि हम एडमिशन फीस भर सकें। इसलिए मुझे बेंगलुरु काम करने जाना पड़ा।' शुभम ने बेंगलुरु में तीन महीने तक मजदूरी करके पैसे कमाए और उन्हीं पैसों से अपनी एडमिशन फीस भरी। जब उनका परिणाम आया, तो उनके शिक्षक ने उन्हें फोन करके पूछा, 'मिठाई कहां है?' शुभम अपनी सफलता का श्रेय अपने शिक्षकों को देते हैं। उन्होंने कहा, 'मेरी सफलता का कारण मेरे शिक्षक द्वारा बनाई गई समय-सारिणी का पालन करना है।'

शुभम सबर की यह कहानी उन सभी युवाओं के लिए एक बड़ी प्रेरणा है, जो आर्थिक चुनौतियों के कारण अपने सपनों को पूरा करने से हिचकिचाते हैं। उनकी यह उपलब्धि साबित करती है कि अगर इरादे मजबूत हों, तो कोई भी मुश्किल बड़ी नहीं होती।

दिल्ली के द्वारका हत्याकांड में दो व्यक्ति गिरफ्तार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ला में द्वारका के बिंदापुर इलाके में इस महीने की शुरुआत में 35 वर्षीय एक व्यक्ति की हत्या किए जाने के सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों की पहचान उत्तम विहार निवासी पवन कुमार (23) और भगवती विहार निवासी विपिन (19) के रूप में हुई हैं। उन्होंने बताया कि उत्तम नगर के एक अस्पताल से 17 अगस्त को सूचना मिली कि कुलदीप नामक एक व्यक्ति को मृत अवस्था में लाया गया था और उसके सीने पर चाकू से हमला किया गया था।

अधिकारी ने बताया कि कुलदीप के भतीजे की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया, जिसने आरोप लगाया कि उसके चाचा का आरोपियों के साथ झगड़ा हुआ था और उन्होंने उनकी छाती में चाकू मार दिया गया था।

पुलिस ने बताया कि अपने चाचा को बचाने की कोशिश में भी वह भी घायल हो गया। अधिकारी ने बताया, ''जांच के दौरान पाया गया कि आरोपियों ने अपने मोबाइल फोन बंद कर दिए थे और गिरफ्तारी से बचने के लिए बार-बार ठिकाने बदल रहे थे।''

उन्होंने बताया कि विपिन को 23 अगस्त को गिरफ्तार किया गया था जबकि पवन को बाद में पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार, पवन का आपराधिक रिकॉर्ड है और वह इससे पहले 2023 में हत्या के प्रयास के मामले और 2022 में आबकारी अधिनियम के एक मामले में शामिल था जबकि विपिन का पहले कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। पुलिस ने कहा कि मामले में अन्य संदिग्धों का पता लगाने के प्रयास जारी हैं और मामले की जांच जारी है।

लखनऊ में पटाखा फैक्टरी में विस्फोट के कारण 7 लोगों की मौत

सीएम योगी ने लिया संज्ञान, परिजनों को सहायता का ऐलान

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के लखनऊ के गुडंबा इलाके में रविवार को एक घर में चल रही पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट में कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। स्थानीय अधिकारी और पुलिस मौके पर पहुँच गए हैं और बचाव अभियान जारी है। अधिकारियों के अनुसार, विस्फोट के कारण छत का एक हिस्सा ढह गया, जिससे कम से कम दो लोग मलबे में दब गए। बचाव दल मौके पर पहुँच गए हैं और फंसे हुए लोगों को बचाने के लिए अभियान जारी है। सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) अनिंद्य विक्रम सिंह ने कहा, 'विस्फोट उस घर में हुआ जहाँ पटाखा फैक्ट्री चल रही थी। इस घटना में 7 लोगों की मौत हो गई है और कुछ घायल हैं।' एसीपी ने आगे कहा, 'दमकल विभाग, एम्बुलेंस और स्थानीय पुलिस सहित बचाव दल मौके पर बचाव कार्य कर रहे हैं।'

पुलिस सूत्रों के अनुसार विस्फोट के बाद मकान की छत का एक हिस्सा ढह गया, जिससे कम से कम दो अन्य लोग मलबे में दब गए। घटनास्थल पर राहत और बचाव अभियान जारी है। एसीपी ने कहा, ''दमकल विभाग, एम्बुलेंस और स्थानीय पुलिस सहित बचाव दल मौके पर मौजूद हैं और राहत कार्य में जुटे हैं।''

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना का संज्ञान लिया है और मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने अधिकारियों को राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाने के लिए तुरंत घटनास्थल पर पहुँचने का निर्देश दिया है।उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि घायलों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया जाए और उचित उपचार प्रदान किया जाए, साथ ही उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की है। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को बिना किसी देरी के घटनास्थल पर पहुँचने और राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। विस्फोट के कारणों की भी जाँच की उम्मीद है।

फिलहाल विस्फोट के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। प्रशासन का कहना है कि घटना की जांच की जा रही है और सुरक्षा मानकों के उल्लंघन की भी पड़ताल की जाएगी। एसीपी अनिंद्य विक्रम सिंह ने बताया कि जांच के बाद ही यह पता चल पाएगा कि विस्फोट किस कारण से हुआ।

हादसे के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर इकट्ठा हो गए हैं और प्रशासन से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। वहीं, कई परिवारों के सदस्य अब भी लापता हैं, जिन्हें लेकर लोगों की चिंता बढ़ती जा रही है। प्रशासन का कहना है कि राहत कार्य पूरी मुस्तैदी से जारी है और घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया है। मामले की विस्तृत जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

26 साल से शहीदों का इतिहास सहेज रहे जितेंद्र राठौर, अब 'शहीद हॉल' का है सपना, पीएम मोदी ने किया सलाम

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में एक सुरक्षा गार्ड, जितेंद्र सिंह राठौर की सराहना की। राठौर पिछले कई सालों से उन सभी सैनिकों की जानकारी जुटा रहे हैं, जिन्होंने देश की सेवा में अपने प्राणों की आहुति दी है।

प्रधानमंत्री ने बताया कि जितेंद्र सिंह राठौर ने प्रथम विश्व युद्ध से लेकर आज तक कर्तव्य का पालन करते हुए अपनी जान गंवाने वाले हजारों सैनिकों का एक विस्तृत रिकॉर्ड तैयार किया है। उन्होंने राठौर के इस प्रयास को देशभक्ति और समर्पण का अद्भुत उदाहरण बताया।

राजस्थान के भरतपुर से आने वाले जितेंद्र सिंह राठौर ने अपने इस अनूठे संकलन के बारे में विस्तार से बात की। उन्होंने कहा, 'मैं पिछले 26 सालों से देशभक्ति के पथ पर चलते हुए खुशी महसूस कर रहा हूं। मुझे खुशी है कि मेरी आवाज़ देश के प्रधानमंत्री तक पहुंच गई है।' राठौर ने अपनी सबसे बड़ी इच्छा व्यक्त करते हुए कहा कि वह एक 'शहीद हॉल' बनाना चाहते हैं, जहां वह अपने द्वारा संकलित किए गए सभी रिकॉर्ड को व्यवस्थित रूप से रख सकें। उनका यह प्रयास न केवल शहीदों को सम्मान देता है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी उनके बलिदानों से परिचित कराएगा।

सीएम योगी से मिले कैबिनेट मंत्री संजय निषाद, कई मुद्दों को लेकर हुई बात

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय निषाद ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाक़ात की। यह मुलाक़ात कई मायनों में महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि संजय निषाद ने हाल ही में गठबंधन को लेकर काफी तीखा बयान दिया था। हालांकि अभी इस मुलाकात का पूरा ब्योरा नहीं मिल पाया है कि दोनों नेताओं के बीच किस मुद्दे को लेकर बातचीत हुई, लेकिन इस सियासी मुलाकात से लखनऊ में सियासी हलचल तेज हो गई है।

दरअसल, निषाद पार्टी प्रमुख और उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री संजय निषाद ने भाजपा को चुनौती देते हुए कहा था कि अगर उसे लगता है कि सहयोगी दलों ने 'कोई लाभ नहीं पहुँचाया है' तो वह गठबंधन तोड़ दे। सूत्रों ने बताया कि इस टिप्पणी के बाद, संजय निषाद को उसी रात प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी का फोन आया और उन्होंने वादा किया कि दोनों दलों के बीच मतभेद सुलझा लिए जाएंगे। संजय निषाद ने कहा था, ''अगर उन्हें हमारे साथ गठबंधन से कोई फायदा नहीं हो रहा है, तो उन्हें इसे तोड़ देना चाहिए। मैं भाजपा को यह बताना चाहता हूँ। वे छोटे नेताओं का इस्तेमाल करके हम पर अभद्र भाषा में हमला क्यों कर रहे हैं?'

हालाकि निषाद पार्टी के नेताओं ने कहा कि उनके पार्टी प्रमुख की ये टिप्पणी भाजपा के छोटे सहयोगियों चाहे वे मध्य और पूर्वी उत्तर प्रदेश में निषाद, राजभर, या पटेल हों, या पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जाट के बीच बढ़ती दूरियों के कारण है। भाजपा दीर्घकालिक दृष्टि से अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदायों के बीच अपना नेतृत्व तैयार कर रही है, जो उनका मुख्य मतदाता आधार हैं। जय प्रकाश निषाद और साध्वी निरंजन ज्योति जैसे भाजपा निषाद नेताओं की आलोचनात्मक टिप्पणियों के कारण निषाद पार्टी की आशंकाएं और बढ़ गई थीं।

पंजाब में बाढ़ का कहर जारी! व्यास समेत नदियाँ उफान पर, 24 की मौत, लाखों एकड़ फसल तबाह

चण्डीगढ़ **(एजेंसी)**। पंजाब में रविवार को बाढ़ की स्थिति और बिगड़ गई, क्योंकि कई ज़िलों में लगातार बारिश हो रही है और घग्गर व व्यास नदियाँ उफान पर हैं। पंजाब में बाढ़ से अब तक 24 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य के नौ जिलों में रावी, ब्यास और सतलुज नदियों के उफान के कारण 1, 018 गाँव प्रभावित हुए हैं और 1.51 लाख एकड़ (61, 273 हेक्टेयर) में खड़ी फसलें जलमग्न हो गई हैं, जिससे बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। फसलों के नुकसान और पशुओं की मौत के कारण राज्य को भारी वित्तीय नुकसान हुआ है।

जिला मुख्यालयों से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, फाजिल्का में 16, 632 हेक्टेयर, फिरोजपुर में 10, 806 हेक्टेयर, कपूरथला में 11, 620 हेक्टेयर, पठानकोट में 7, 000 हेक्टेयर, तरनतारन में 9, 928 हेक्टेयर और होशियारपुर में 5, 287 हेक्टेयर भूमि प्रभावित हुई है। पंजाब में कपूरथला जिला प्रशासन ने सुल्तानपुर लोधी क्षेत्र के लोगों से लगातार बारिश के बाद ब्यास नदी में जलस्तर बढ़ने के मद्देनजर रविवार को अलर्ट जारी कर सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कपूरथला के उपायुक्त अमित कुमार पांचाल ने बताया कि भारी बारिश के कारण ब्यास नदी का जलस्तर 2.35 लाख क्यूसेक तक बढ़ गया है और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से तुरंत सुरक्षित स्थानों पर जाने का आग्रह किया गया है।

मौसम विभाग ने कपूरथला जिले में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। पांचाल ने कहा कि लोगों की जान बचाना प्रशासन की प्राथमिकता है इसलिए प्रभावित इलाकों के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर चले जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि सेना और राज्य आपदा मोचन बल के दल लोगों को सुरक्षित स्थानों पर लगातार पहुंचा रहे हैं।

सुल्तानपुर लोधी और भुलत्थ इलाके के गांव बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित हैं। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण सतलुज, व्यास एवं रावी नदियां उफान पर हैं और पंजाब बाढ़ की चपेट में है। बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित गांव पठानकोट, गुरदासपुर, फाजिल्का, कपूरथला, तरनतारन, फिरोजपुर, होशियारपुर और अमृतसर जिलों के हैं।

चीनी सामान से बढ़ा देश का आर्थिक संकट, भाजपा की आत्मनिर्भरता खोखली, अखिलेश यादव का सरकार पर हमला

लखनऊ **(एजेंसी)**। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा प्रहार करते हुए रविवार को कहा कि चीन से आने वाले सामानों पर भारत की निर्भरता लगातार बढ़ रही है, जिसका बुरा असर हमारे उद्योगों, कारखानों और दुकानों के घटते कारोबार पर पड़ रहा है। सपा प्रमुख यादव ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''यही है तथाकथित आत्मनिर्भरता, स्वदेशी और चीनी सामान के बहिष्कार के भाजपाई जुमलों का चिंताजनक सच।''

उन्होंने इसे विस्तार से समझाते हुए कहा, ''चीन से आने वाले सामानों पर जिस तरह भारत की निर्भरता बढ़ती जा रही है, उसका बुरा असर हमारे उद्योगों, कारखानों और दुकानों के लगातार घटते जा रहे काम-कारोबार पर पड़ा है। इससे बेरोजगारी भी बेतहाशा बढ़ रही है।'' यादव ने आगाह करते हुए कहा, ''भाजपा चीनी चाल की क्रोनोलॉजी समझे।'' उन्होंने आगे कहा, ''पहले चीन अपना माल भारत के बाजारों में भर देगा जिससे चीन पर निर्भरता इतनी बढ़ जाएगी कि उनकी हर गलत हरकत को नजरअंदाज करने के लिए भाजपाई मजबूर हो जाएंगे।''

यादव ने दावा किया, ''उसके बाद चीन हमारे उत्पादों और उद्योगों को धीरे-धीरे बंद करवाने के कगार तक ले जाएगा और उसके बाद मनमाने दाम पर हर चीज की आपूर्ति करेगा।उसके बाद महंगाई-बेरोजगारी बढ़ाएगा।'' भविष्य के खतरों को लेकर उन्होंने आगाह किया, ''जब महंगाई और बेरोजगारी ज्यादा होगी तो सरकार के खिलाफ जनता का आक्रोश भी बढ़ेगा और बिना बहुमत की भाजपा की सरकार और भी कमजोर होकर लड़खड़ा जाएगी।''

सपा प्रमुख ने कहा, ''फिर खुद ही लड़खड़ाती भाजपा सरकार चीन के अतिक्रमण को चुनौती नहीं दे पाएगी... उसके बाद हमारी जमीन पर चीन अपना कब्जा और बढ़ाएगा।... इसके बाद भाजपा दोहराएगी कि 'न कोईष्ठ न कोईष्ठ!'' यादव ने कहा, ''अगर ये बात 'ड्रोनवालों' को समझ नहीं आ रही है तो उत्तर प्रदेश में विराजमान 'बुलडोजर' वाले प्रवासी जी ही ये सच्चाई समझकर जवाब दें कि चीन ने हमारी कितनी जमीन हड़प ली है, क्योंकि उनका मूल निवास स्थान भी चीन के कब्जे का शिकार हुआ है।''

सपा अध्यक्ष ने सवाल उठाते हुए कहा, ''भाजपाई बस देश का क्षेत्रफल बता दें, मतलब ये बता दें कि भाजपा सरकार के आने के समय देश की कुल भूमि जितनी थी, क्या अब भी उतनी ही है या चीनी कब्जे के बाद घट गई है।'' उन्होंने कहा, ''दिल्ली वाले न सही, तो लखनऊ वाले 'पलायन स्पेशलिस्ट' ही बता दें कि हमारी कितनी जमीन का पलायन हो गया है, वैसे जनता बखूबी समझती है कि जमीन का पलायन कभी होता नहीं है, जो जमीन चली जाए वो कहीं और चलकर नहीं आती।

अमित शाह ने अहमदाबाद में शहरी स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन किया, पौधारोपण अभियान में भाग लिया

अमहदाबाद **(एजेंसी)**। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को यहां पौधारोपण अभियान में भाग लिया और शहरी स्वास्थ्य केंद्र का भी उद्घाटन किया। शाह और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद के घाटलोदिया वार्ड में ''एक पेड़ मां के नाम'' पहल के तहत पौधारोपण अभियान का नेतृत्व किया। यह अभियान लोगों को अपनी मां के नाम पर एक पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

यह कार्यक्रम अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) द्वारा आयुष्मान वन में आयोजित किया गया। वहीं, एक अन्य कार्यक्रम में शाह ने अहमदाबाद के गोटा वार्ड में 3.84 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित एक शहरी स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन किया। इस संबंध में जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि यह केंद्र आयुष्मान भारत के तहत पीएमजेएवाई (प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना) कार्ड, आभा कार्ड, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, जननी सुरक्षा योजना के साथ-साथ अन्य सभी स्वास्थ्य संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराएगा। इसके अलावा, यह गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और महिलाओं के रोगों के निदान, उपचार सेवाओं की सुविधा भी प्रदान करेगा। विज्ञप्ति में कहा गया कि नवजात शिशुओं और बच्चों के लिए बाल रोग विशेषज्ञों द्वारा जांच, निदान, उपचार सेवाएं तथा गर्भवती महिलाओं और बच्चों के टीकाकरण से संबंधित सेवाएं भी उपलब्ध होंगी। यह केंद्र सभी संचारी रोगों का शीघ्र निदान, उपचार और रेफरल, रक्तचाप, मधुमेह, कैंसर समेत अन्य रोगों के लिए रोगियों की जांच और रेफरल जैसी सेवाएं भी प्रदान करेगा।

डॉ एएच रिजवी डिग्री कॉलेज में मनाया गया राष्ट्रीय खेल दिवस

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। कौशांबी डॉ ए एच रिजवी डिग्री कॉलेज के प्रांगण में राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया। रेस प्रतियोगिता में बी. एस.सी. प्रथम सेम की छात्रा नेहा दिवाकर ने प्रथम स्थान, अर्चना देवी ने द्वितीय स्थान, संगीता ने तृतीय स्थान एवं बी ए प्रथम सेमेस्टर की छात्रा आरती का चतुर्थ स्थान प्राप्त किया।

ज्ञात हो कि इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ साकिब तौफीक ने कहा कि आज का दिन हम सबके लिए बेहद खास है, क्योंकि यह सिर्फ खेलो का दिन नहीं बल्कि खेल भावना, अनुशासन और स्वस्थ जीवन का उत्सव है। बी.एड. विभागाध्यक्ष डॉ राजेश सक्सेना ने छात्र छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेलेगा देश, खिलेगा देश का नारा दिया और कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस हर साल 29 अगस्त को पूरे देश में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह दिन हाकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद जी की जयंती पर मनाया जाता है।

महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रमाधिकारी डॉ कै. अबूतलहा अंसारी ने छात्र छात्राओं को खेलो के महत्व और उनके जीवन में सकारात्मक प्रभाव के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से मार्गदर्शन किया और कहा कि -हर गली हर मैदान, खेले सारा हिन्दुस्तान । इस अवसर पर डॉ मुकुंद देव द्विवेदी, डॉ अशरफ अब्बास, डॉ जितेंद्र कुमार वर्मा, डॉ मोहित त्रिपाठी, डॉ सरफराज खान, सुनील अग्रहरि, मनोज कुमार, डॉ शैला भारती, अवधेश मिश्रा, राकेश यादव, जीनत जहरा, ललित कुमार, राजेश कुमार, डॉ मदन मोहन मिश्रा, डॉ एम पी पटेल, मोंटीन खान, गुलनाज नकवी, विजय बहादुर एवं ऑफिस स्टॉफ में शैलेन्द्र कुमार त्रिपाठी, शम्स हैदर, तौफीक सिद्दीकी, निसार अहमद, एवं बेलाल अहमद आदि मौजूद रहे।

व्यापारी को बंधक बनाकर लूट करने वाला आरोपी अरेस्ट, लूट का माल बरामद

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिले के कोखराज थाना क्षेत्र में व्यापारी परिवार को बंधक बनाकर लूट हुई थी, व्यापारी मनीष जायसवाल पुत्र शिवबाबू जायसवाल निवासी ग्राम कोखराज ने पुलिस को शिकायती पत्र देते हुए बताया कि वह अपने परिवार के साथ घर पर सो रहे थे तभी छत की सीढी की तरफ से कुछ अज्ञात चोर घर में घुस आए तथा उनके सिर पर रॉड से वार कर दिया एवं उसके बाद घर में रखे आभूषण व नगदी लूटकर भाग गए।

ज्ञात हो कि सूचना पर थाना कोखराज पुलिस मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया था और घटना की गम्भीरता को देखते हुए एसपी राजेश कुमार ने टीमों का गठन कर घटना के शीघ्र एवं सफल अनावरण व अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु निर्देश दिए थे।

कोखराज थाना पुलिस ने लूट के मामले में वांछित चल रहे तौफीक उर्फ सोनू फकीर पुत्र मो0 अहमद निवासी ग्राम कोखराज थाना कोखराज अरेस्ट कर लिया, पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में लूटे गए 8, 000 रूपये व आभूषण बरामद किए है। गहन पूछताछ करने पर आरोपी मो0 तौफीक उर्फ सोनू फकीर ने पुलिस को बताया कि मैंने अपने खर्चों को पूरा करने के लिए अपने 02 अन्य साथियों के साथ मिलकर 03/04 अगस्त की रात्रि में मनीष जयसवाल के घर में छत के रास्ते से घुसकर हसिया सटाकर रुपये व गहनों की लूट की थी। मेरे एक साथी का नाम रोहित पुत्र अमरनाथ निवासी ग्राम कोखराज थाना कोखराज है एवं दूसरे साथी को मैं नहीं जानता वह रोहित के साथ आया था। लूट के माल को हम तीनों ने आपस में बांट लिया था, जो माल मेरे हिस्से में मिला था उसको लेकर मैं बाजार बेचने के लिए जा रहा था एवं कोखराज चौराहे पर अपने साथी रोहित के आने का इंतजार कर रहा था।तभी पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पुलिस में आरोपी के खिलाफ लिखापढ़ी कर न्यायालय पेश किया जहा से उसे जेल भेज दिया गया, वही पुलिस अब रोहित एवं एक अन्य की तलाश में जुट गई है।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाला वांछित अभियुक्त थाना चरवा पुलिस की गिरफ्त में

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। थाना चरवा पुलिस ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म के मामले में वांछित चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

ज्ञात हो कि प्रकरण के अनुसार 28 मई 2025 को पीड़िता के परिजनों ने थाना चरवा में तहरीर दी थी कि आरोपी पवन पाण्डेय उनकी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर भगा ले गया। जब परिवार ने इसका विरोध किया तो आरोपी व उसके परिजनों ने जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इस सूचना पर थाना चरवा पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर पीड़िता को बरामद कर परिजनों को सौंप दिया था।

इसी क्रम में मुखबिर की सटीक सूचना पर थाना चरवा पुलिस टीम ने वांछित अभियुक्त पवन पाण्डेय पुत्र संगमलाल पाण्डेय निवासी ग्राम छोटी मौली, थाना चरवा, जनपद कौशाम्बी को बेरुआ मोड़ के पास से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 113/25 धारा 65 (1)/137(2)/87/352/351 (2) बीएनएस, 5 जे2/6 पाक्सो एक्ट एवं 3(2)5/3(2)5ए/3 (1) ध एससी/एसटी एक्ट के तहत पंजीकृत है। विधिक कार्यवाही पूर्ण कर आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। गिरफ्तारी में थाना चरवा पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सरायं अकिल में जर्जर विद्युत खंभा मौत को दे रहा आमंत्रण

कौशाम्बी। सराय अकिल कस्बे के पटेल चैराहा करन चैराहा मार्ग पर खड़ा एक हाईटेंशन विद्युत खंभा अब लोगों की जान का दुश्मन बन चुका है। खंभा नीचे से पूरी तरह जंग खाकर खोखला हो गया है और आधा झुक चुका है। इस बात का सदैव खतरा बना रहता है कि कभी भी वह जमीदोह हो सकता है। जो बडी अनहोनी का कारण बन सकता है। ज्ञात हो कि मार्ग से गुजरने वाले रोजाना हजारों वाहन, स्कूली बच्चे और ग्रामीण इसी रास्ते से गुजरते हैं। लोगों का कहना है कि वह हर दिन इस खंभे को देखकर दहशत में सफर करते हैं। अगर खंभा गिरा तो बिजली की चपेट में आकर ऐसी त्रासदी होगी जिसकी भरपाई कभी नहीं हो पाएगी। स्थानीय निवासी शिव बाबू, राज करन, महेश और शिव भजन का कहना है। यह खंभा किसी भी वक्त गिर सकता है। क्या विभाग किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रहा है ?

कोखराज पुलिस ने चोरी की घटना में 03 बाल अपचारियों को पकड़ा

कौशाम्बी। थाना कोखराज क्षेत्र में चोरी की वारदात में शामिल 03 बाल अपचारियों को पुलिस ने नियमानुसार अभिरक्षा में ले लिया है।

ज्ञात हो कि प्राप्त जानकारी के अनुसार, रविवार को थाना कोखराज निवासी वादी अनिल कुमार पुत्र स्व. राधेश कुमार ने थाने में सूचना दी कि उनके घर में रखे तख्त पर रखा मोबाइल फोन तीन लड़कों द्वारा चोरी कर भाग ले जाया गया। इसी दौरान वादी ने उनमें से एक को दौड़ाकर पकड़ लिया।वादी की तहरीर के आधार पर थाना कोखराज पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए इस चोरी की घटना से संबंधित तीनों बाल अपचारियों को नियमानुसार अभिरक्षा में लेकर आगे की विधिक कार्यवाही प्रारम्भ कर दी है। पुलिस का कहना है कि बाल अपचारियों से पूछताछ की जा रही है और घटना से संबंधित सभी तथ्यों की जांच जारी है।

बीएसए के आदेश को नियम विरूद्ध बता कर संघ ने किया विरोध, सौपा ज्ञापन

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाबी। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जनपद कौशाम्बी के जिलाध्यक्ष अनिल सिंह के नेतृत्व में एक संगठन विशेष के कार्यक्रम को सरकारी कार्यक्रम बनाने वाले बीएसए कौशाम्बी डॉ कमलेंद्र कुमार कुशवाहा के आदेश के विरोध में उन्ही को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञात हो कि जिलाध्यक्ष अनिल सिंह ने बताया है कि बीएसए कौशाम्बी ने एक आदेश जारी कर एक संगठन विशेष के कार्यक्रम को जनपद के सभी विद्यालयों में आयोजित किए जाने हेतु समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया है।

जबकि एक संगठन द्वारा चलाए जा रहे शिक्षकों को दोषी बनाने वाले अभियान को जबरिया बीएसए कौशाम्बी के द्वारा सरकारी कार्यक्रम बनाना किसी भी प्रकार से नियम संगत नहीं है। इस प्रकार से किसी भी संगठन के कार्यक्रम को सरकारी कार्यक्रम बनाना, विभाग और सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न

समाजोपयोगी कार्यक्रमों की महत्ता और सार्थकता को घटाना है। इस प्रकार के गैर जिम्मेदाराना आदेशों को मानने के लिए जनपद का कोई भी शिक्षक बाध्य नहीं है। साथ ही बीएसए कौशाम्बी यह भी अवगत कराए कि क्या यह संगठन सरकारी संगठन है, जो इसके कार्यक्रम के लिए आप द्वारा आदेश जारी किया जा रहा है ?

इस दौरान जिलामंत्री रामबाबू दिवाकर ने बताया कि शिक्षक सदैव अपने विद्यालयों को अपने गौरव और स्वाभिमान से जोड़कर देखता है तो फिर इस प्रकार का आदेश जारी करना मतलब शिक्षकों की निष्ठा और सम्मान पर प्रश्नचिन्ह लगाना है।

इस ज्ञापन कार्यक्रम में ईश्वर शरण सिंह, सुरेश चन्द्र, भोलानाथ, डॉ विनय सिंह, डॉ आलोक सोनी, लालमणि, अवधेश, रहमत अली, रमेश सिंह, विनोद सिंह, भीम प्रकाश, अनुराग यादव आदि पदाधिकारी और शिक्षकों ने प्रतिभाग किया।

वृद्ध महिला की खाने की इच्छा न पूरी होने पर उठा लिया बड़ा कदम

कौशाम्बी। जिले में एक अजीब घटना सामने आई है जहा एक 70 वर्षीय वृद्ध महिला ने महज पति से रोज रोज के विवाद के चलते खौफनाक कदम उठा लिया और आत्महत्या करने के लिए संदीप घाट गंगा स्नान घाट पहुंच गई, जहा मौजूद लोगों ने वृद्ध महिला को नदी में छलांग लगाने से पहले ही पकड़ लिया और पुलिस को बुलाकर सौंप दिया, पुलिस ने वृद्ध महिला से पूछताछ की और उसके परिजनों को बुलाकर समझा बुझाकर घर भेज दिया।

ज्ञात हो कि मामला कोखराज थाना क्षेत्र के संदीपन घाट का है जहा नगर पालिका भरवारी के पांडेमऊ की रहने वाली 70 वर्षीय यशोदा देवी पत्नी उदय राज अग्रहरि शनिवार की सुबह घरेलू कलह से परेशान होकर अचानक से संदीपन घाट गंगा नदी में कूदने पहुंच गई, स्थानीय लोगों ने वृद्ध महिला को गंगा नदी में छलांग लगाने से पहले ही पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने वृद्ध महिला से पूछताछ की और उनके परिजनों को सूचना दी। सूचना पर महिला के पति उदय राज अग्रहरि, दमाद, ओमकार, पड़ोसी मुलदीप, आदर्श, रामनरेश आदि पहुंचे तो पुलिस पूछताछ में वृद्ध महिला ने बताया कि घर में मौजूद उसका पति अक्सर उसको मारता पीटता है। साथ ही गृहस्थी का कोई सामान मांगने पर नही लाता है।उसकी पनीर खाने की इच्छा थी वो भी नही लाया। उसकी तीन बेटियाँ है। सभी की शादियाँ हो चुकी है। घर में नाती व पति के साथ रहती हूँ । फिलहाल पुलिस ने महिला को समझा बुझाकर परिजनों को सौंप कर घर वापस भेज दिया।

कौशाम्बी मेडिकल कॉलेज को मिली पहली देहदान बॉडी

मेडिकल छात्रों को पढ़ाई में मिलेगी सुविधा

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिले में मेडिकल कॉलेज को शनिवार को पहली बॉडी दान में मिल गई है, यह देहदान बॉडी भरवारी के पास गुवारा निवासी राजेंद्र प्रसाद केसरवानी की है, जिन्होंने 3 अप्रैल 2025 को देहदान के लिए अपना रजिस्ट्रेशन मेडिकल कॉलेज में कराया था, जिनका निधन शुक्रवार की रात को हो गया है, परिजनों ने इसकी जानकारी मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉक्टर हरिओम सिंह को दी और सुबह परिजनों ने अंतिम यात्रा निकालकर बॉडी को मेडिकल कॉलेज को सौंप दिया।

ज्ञात हो कि मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉक्टर हरिओम सिंह ने बताया कि कौशाम्बी जिले में भरवारी कस्बा देहदान के लिए अत्यंत जागरूक है, जब से यह मेडिकल कॉलेज शुरू हुआ है, अभी तक हमारे यहां लगभग 10 लोग देहदान के लिए रजिस्ट्रेशन करा चुके है, वही शनिवार को राजेंद्र प्रसाद केसरवानी का निधन हो गया है, मेडिकल कॉलेज को पहली बॉडी दान में मिली है, जिससे अब मेडिकल कॉलेज के छात्र छात्राओं को मेडिकल की पढ़ाई करने में सुविधा मिलेगी।

उन्होंने बताया कि मेडिकल कॉलेज में पढ़ाई के दौरान प्रत्येक 10 छात्र छात्राओं पर एक बॉडी की आवश्यकता होती है लेकिन इतनी बॉडी उपलब्ध नहीं हो पा रही है। उन्होंने जिले के लोगो से अपील की है कि मृत्यु के पश्चात बॉडी को जलकर नष्ट करने के बजाय लोग मेडिकल कॉलेज को दान करे जिससे मेडिकल कॉलेज के छात्र छात्राएं उस बॉडी से पढ़ाई कर सके और डॉक्टर बनकर लोगो की सेवा कर सके।

उन्होंने मेडिकल कॉलेज को पहली देहदान बॉडी देने वाले स्वर्गीय राजेंद्र प्रसाद केसरवानी के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करने हुए उन्हें धन्यवाद दिया है और आभार व्यक्त किया है।

रंजिश में वृद्ध को बेरहमी से पीटने में केस

कौशाम्बी। करारी थाना क्षेत्र के लहना गांव की माया देवी पत्नी पप्पू ने बताया कि 29 अगस्त की सुबह उसके ससुर सियाराम को पड़ोसी खाना खाने के बहाने खेत से अपने घर बुला ले गए। वहां रंजिश के चलते गाली-गलौज करते हुए बेरहमी से पिटाई की। जख्मी सियाराम का मंझनपुर के निजी अस्पताल में अभी इलाज चल रहा है। इंस्पेक्टर सियाकांत चौरसिया ने बताया कि आरोपी रामसिंह, संजय पासी व नत्थी देवी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। सभी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

भाग रहे तीन किशोर बंदी

कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के बम्हरौली गांव निवासी अनिल कुमार द्विवेदी ने बताया कि शनिवार की शाम तीन किशोर उनके घर में घुसे और बरामदे में पड़ी तख्त पर रखा मां का मोबाइल फोन चुराकर भागने लगे। नजर पड़ने पर दौड़ाकर इनमें से एक किशोर को पकड़ लिया गया। पूछताछ में उसने अपने दो साथियों का नाम भी बताया। इस पर पुलिस ने छापामारी कर बाकी दोनों किशोरों को भी गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों के अन्य साथियों की तलाश की जा रही है। मामले में गृहस्वामी की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ लिखापढ़ी कर दी गई है।

सहयात्री का पर्स चोरी करने में दो आरोपी गिरफ्तार

कौशाम्बी। कानपुर देहात के भोगनीपुर थाना क्षेत्र के हीरापुर निवासी कुंदन पुत्र राधेश्याम ने बताया कि उसकी ससुराल फकीराबाद सरायअकिल में है। पीड़ित के मुताबिक, शनिवार को वह पत्नी सेखा देवी और तीन बच्चों के साथ ससुराल जा रहा था। सैनी से ऑटो पर सवार होकर मंझनपुर तक के लिए रवाना हुआ। मंझनपुर इलाके में सेलरहा पश्चिम गांव में समीप जेब काटकर उसका पर्स चोरी कर लिया गया। तलाशी के दौरान पर्स और एक हजार रुपये सह यात्रियों के पास से बरामद हुआ। इस पर अन्य यात्रियों की मदद से दोनों को पकड़कर यूपी-112 पुलिस को सूचना दी गई। मंझनपुर इंस्पेक्टर सुनील कुमार सिंह के अनुसार, आरोपियों की पहचान साहबे आलम निवासी रसूलपुर सुकवारा थाना सरायअकिल और मंजय निवासी म्योहर थाना करारी के रूप में हुई है।

लज्जा भंग करने में नाकाम पड़ोसियों ने पीड़िता के पति को पीटा

कौशाम्बी। लज्जा भंग करने में नाकाम पड़ोसियों ने चरवा इलाके की एक महिला के पति को पीट दिया। पिटाई से उसका सिर फट गया। उसे नजदीकी निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले की शिकायत पर चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने सभी की तलाश शुरू कर दी है। चरवा थाना क्षेत्र की पीड़िता ने बताया कि शनिवार की भोर वह मवेशियों को चारा देने घर के समीप स्थित गोशाला जा रही थी। रास्ते में पड़ोसी चार युवकों ने रोक लिया और हाथ पकड़कर खींचने लगे। पीड़िता की मानें तो उनका इरादा लज्जा भंग करने का था। चीख-पुकार सुन पीड़ित महिला का पति लाज बचाने पहुंचा तो आरोपियों ने उसकी पिटाई शुरू कर दी, जिससे सिर फट गया। शोर सुनकर जुटे ग्रामीणों ने बीच-बचाव कर किसी तरह दंपती की जान बचाई। इसके बाद पीड़िता ने पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। इस संबंध में सीओ चायल अभिषेक सिंह का कहना है कि आरोपियों की गिरफ्तारी का प्रयास कराया जा रहा है। जल्द ही गिरफ्तार कर सभी का चालान किया जाएगा।

सीएम योगी ने अफसरों की बुलाई मीटिंग, त्योहारों को लेकर सख्त निर्देश, डीएम और एसपी को चेतावनी

कौशाम्बी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि जन शिकायतों और समस्याओं के समाधान में लापरवाही किसी भी दशा में अक्षम्य है। सीएम योगी ने अफसरों को चेतावनी देते हुए कहा, आईजीआरएस और सीएम हेल्पलाइन के माध्यम पर प्राप्त हो रही प्रत्येक जन शिकायत और समस्या का शिकायतकर्ता की दृष्टि से संतुष्टिपरक समाधान होना ही चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा है कि सरकार जनता के प्रति जवाबदेह है, जनहित सर्वोपरि है। शिकायतकर्ता की संतुष्टि और उसका फीडबैक ही अधिकारियों के प्रदर्शन का वास्तविक पैमाना होगा। मुख्यमंत्री, रविवार देर रात प्रदेश की कानून-व्यवस्था, आईजीआरएस, सीएम हेल्पलाइन, आगामी त्यौहारों की तैयारियों, बाढ़ की स्थिति, डेंगू नियंत्रण और स्वास्थ्य सेवाओं जैसे विषयों पर सभी मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों, पुलिस कप्तानों तथा वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा को सरकार की शीर्ष प्राथमिकता बताते हुए निर्देश दिए कि सभी जिलों में एंटी रोमियो स्क्वॉड की गतिविधियां और सक्रिय की जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी नवरात्र में 'मिशन शक्ति' का नया चरण प्रारंभ होगा, जिसके लिए सभी जिलों को अभी से व्यापक तैयारियां कर लेनी चाहिए।

बैठक में मुख्यमंत्री ने आईजीआरएस और सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त जन शिकायतों की मंडलवार, जनपदवार, तहसीलवार, ज़ोनवार, रेंजवार, जिला पुलिस और थाना स्तर पर रैंकिंग जारी की। संबंधित जिलाधिकारियों और पुलिस अधिकारियों को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा कि हर पीड़ित की भावना का सम्मान करते हुए पूरी संवेदनशीलता के साथ समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि मिथ्या अथवा भ्रामक रिपोर्ट लगाने वाले अधिकारियों के

खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई अनिवार्य रूप से होगी। मुख्यमंत्री ने हाल के पर्व-त्योहारों के सकुशल सम्पन्न होने पर प्रसन्नता व्यक्त की और आगामी बरावफ़ात, अनंत चतुर्दशी व विश्वकर्मा पूजा के दृष्टिगत पुलिस-प्रशासन को पहले से अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए।

बैठक में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा 6 और 7 सितम्बर को प्रस्तावित प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) की तैयारियों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक सूचना फैलाने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन परीक्षा आयोजन संस्था के साथ समन्वय कर अभ्यर्थियों को हरसंभव सुविधा उपलब्ध कराए। मुख्यमंत्री को बताया गया कि परीक्षा 48 जिलों में बनाए गए 1479 केंद्रों पर आयोजित होगी, जिसमें 25.31 लाख से अधिक अभ्यर्थी शामिल होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि परीक्षा की शुचिता और पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसे हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रश्न पत्रों की गोपनीयता, सेक्टर मजिस्ट्रेटों की तैनाती, लाइव सीसीटीवी कंट्रोल रूम, नगर यातायात व्यवस्था और बारिश के मौसम में परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए विशेष प्रबंधन सुनिश्चित किए जाएं।

बाढ़ और अतिवृष्टि से प्रभावित जनपदों की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि राहत कार्यों को और प्रभावी बनाया जाए तथा इनमें जनप्रतिनिधियों का मार्गदर्शन अवश्य लिया जाए। बरसात के मौसम में बीमारियों की आशंका को देखते हुए उन्होंने नगर निकायों को जलभराव की तत्काल निकासी व सफाई व्यवस्था सुदृढ़ करने का निर्देश दिया। उन्होंने मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेलों का सतत आयोजन करने और सर्पदंश के उपचार के लिए सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा।

नकली या अधोमानक दवाओं की बिक्री पर गंभीर चिंता जताते हुए मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि प्रदेश में ऐसी एक भी गतिविधि बर्दाश्त नहीं होगी। प्रशासन को सतत चौकसी और कड़ी मॉनीटरिंग करने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने खरीफ सीजन के लिए खाद की उपलब्धता पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रदेश के किसी भी किसान को खाद की कमी न हो, आपूर्ति श्रृंखला की सघन निगरानी की जाए और कालाबाजारी या जमाखोरी पर कठोरतम कार्रवाई की जाए।

ई-रिक्शा की बैट्री चोरी का मुकदमा चोरों की तलाश

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। नगर पालिका परिषद भरवारी के मेहता रोड मधुवन तिराहा निवासी ओम प्रकाश तिवारी ने बताया कि उन्होंने रोजी-रोटी के लिए दो ई-रिक्शा खरीद रखा है। दोनों रिक्शे रोजाना रात को घर के पीछे खड़े किए जाते हैं। पीड़ित की मानें तो 14 अगस्त की रात चोरों ने एक रिक्शे की दो बैट्री पार कर दी। इसकी शिकायत स्थानीय चौकी पुलिस के साथ कोखराज थाने पर भी की गई। आरोप है कि पुलिस ने कार्रवाई के नाम पर कुछ नहीं किया।

परेशान पीड़ित ने 22 अगस्त को मामले की शिकायत एसपी राजेश कुमार से की थी। उनके आदेश पर शनिवार को मुकदमा कायम कर पुलिस ने चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

डिजिटल दोस्त की धमकी : खुदकुशी कर लो वर्ना पिता-मंगेतर दोनों नहीं बचेंगे

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। युवती इंटरनेट मीडिया पर अंजान युवक से हुई दोस्ती के बाद घर छोड़कर चली गई। हालांकि, परिजनों ने दूसरे ही दिन उसे फतेहपुर से बरामद कर लिया। अब डिजिटल दोस्त फोन करके युवती, उसके पिता और मंगेतर को धमकी दे रहा है। युवती के मुताबिक, उसने कहा है कि खुदकुशी नहीं करने पर मंगेतर और पिता को मार डालेगा। मामले की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने आरोपी की तलाश कर रही है। चरवा थाना क्षेत्र के पीड़ित व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि उसकी 19 साल की बेटी की इंटरनेट मीडिया पर किसी युवराज नाम के युवक से दोस्ती हुई थी।

आरोपी के बहकावे में आकर 18 अगस्त को युवती घर छोड़कर चली गई। दूसरे दिन फतेहपुर के मकनपुर से उसे बरामद किया गया। आरोप है कि इसके बाद से लगातार आरोपी युवती, उसके पिता व मंगेतर को फोन करके धमका रहा है। 20 अगस्त को उसने युवती से साफ कहा कि वह खुदकुशी कर ले, अन्यथा उसके पिता के साथ मंगेतर की भी हत्या कर देगा। आरोपी की धमकियों से पूरा पीड़ित परिवार सहमा हुआ है। पिता को इस बात का भी डर है कि कहीं उसकी बेटी की शादी का रिश्ता नहीं टूट जाए। इस संबंध में चायल सर्किल के डीएसपी अभिषेक सिंह का कहना है कि मुकदमा कायम करा दिया गया है। सर्विलांस सेल की मदद से आरोपी के बाबत जानकारी कराई जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार करवाया जाएगा। जरुरत पड़ी तो पीड़ित परिवार को सुरक्षा भी दी जाएगी।

15 साल की लड़की को एक महीने में सांप ने 6 बार डसा, ग्रामीणों में दहशत

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिले से एक अजीबो-गरीब मामला सामने आया है। जिसने पूरे गांव को दहशत में डाल दिया है। दरअसल सिराथू तहसील क्षेत्र के भैंसहापर गांव की रहने वाली 15 साल की रिया मौर्य को महज एक महीने में सांप ने छह बार काट लिया है। लगातार सांप के डसने की घटनाओं से परिवार ही नहीं, पूरा गांव दहशत में है।

रिया के पिता राजेंद्र मौर्य के अनुसार, 22 जुलाई 2025 को खेत जाते समय पहली बार उनकी बेटी को सांप ने काटा था। इलाज के बाद वह ठीक हो गई थी। लेकिन 13 अगस्त को दोबारा उसे सांप ने डस लिया। हालत बिगड़ने पर डॉक्टरों ने प्रयागराज रेफर किया, हालांकि परिजनों ने निजी अस्पताल में इलाज कराया। लेकिन लगातार बेटी को सांप काटने से परेशान माता-पिता इलाज के साथ-साथ पूजा पाठ एवं अन्य उपायों का सहारा लेने के लिए भी मजबूर हो रहे हैं। रिया के पिता ने बताया कि उनके पूरे परिवार में इस समय कोई चैन की नींद सो नहीं पा रहा है, ना ही खाना खा रहे है। हर पल यही डर लगा रहता है की बेटी को अकेला छोड़ा तो सांप आकर डस लेगा, यही नहीं सांप अचानक से रिया के पैर में आकर लिपटता है और काटकर बिजली की रफ्तार से गायब हो जाता है।

इस अजीब घटनाक्रम के बाद परिवार इलाज के साथ-साथ पूजा-पाठ और झाड़-फूंक का भी सहारा ले रहा है। अब सवाल यह उठता है कि आखिर वह सांप बार-बार लड़की को क्यों काट रहा है? वहीं, ग्रामीणों मे इसे लेकर दहशत फैल गई है। तमाम चर्चाएं सुर्खियों में हैं कि सांप के मन में क्या है कहीं वास्तव में ये कोई इच्छाधारी सांप तो नहीं या इस सांप के किसी परिवार को उनके परिवार द्वारा मारा तो नहीं गया जिस कारण वह बदला लेने आया है।

बिना किसी पैरवी, घूस और भेदभाव के प्रदेश में हुआ 19, 424 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का चयन

गरीब और ग्रामीण समाज की रीढ़ बन चुके हैं आंगनवाड़ी केंद्र : नन्दी

452 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को मंत्री नन्दी ने वितरित किया नियुक्ति पत्र

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने रविवार को विकास भवन सभागार में आयोजित समारोह में सम्मिलित होकर बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग के अंतर्गत प्रयागराज में नवनियुक्त 452 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को नियुक्ति पत्र वितरित कर उन्हें शुभकामनाएं दी। उज्जवल भविष्य एवं सफल कार्यकाल की कामना की। कहा कि आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि सभी नव नियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ती बहनें पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगीं।

मंत्री नन्दी ने कहा कि उत्तम स्वास्थ्य, संतुलित आहार और समुचित पोषण मानव जीवन की बुनियादी आवश्यकता है। स्वस्थ व्यक्ति मिलकर स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण करते हैं। इस दिशा में आंगनबाड़ी केन्द्रों की भूमिका बेहद उल्लेखनीय है। किसी भी परिवार अथवा अभिभावक की आर्थिक परिस्थिति बच्चों के समग्र विकास में बाधा न बने हमारी सरकार ने यह सुनिश्चित किया है।

प्ले स्कूल में जिन सुविधाओं और इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए भारी-भरकम फीस भरनी पड़ती है, वह आंगनबाड़ी केन्द्रों में पूरी तरह से निःशुल्क उपलब्ध हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार ने आंगनबाड़ी केन्द्रों के आधुनिकीकरण के साथ ही संसाधन युक्त बनाने के अभियान को विशेष प्राथमिकता

दी है।

इसी अभियान के अंतर्गत पूर्णतः पारदर्शी एवं निष्पक्ष ढंग से हुई चयन प्रक्रिया में पूरे प्रदेश में 19 हजार 424 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का चयन किया गया है। जनपद प्रयागराज में 452 योग्य अभ्यर्थियों का चयन हुआ है। बिना किसी पैरवी के, बिना किसी घूस के, बिना किसी भेदभाव के यह चयन प्रक्रिया सम्पन्न हुई है।

आँगनबाड़ी केन्द्रों को आधुनिक बनाने की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत स्मार्ट टीवी, बॉटर आरओ, पोषण वाटिका की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।

केन्द्रों को डिजिटल बनाने एवं रियल टाइम मॉनिटरिंग हेतु स्मार्ट फोन के क्रय की कार्यवाही जारी है। प्रयागराज में 4 हजार 499 स्मार्ट फोन के क्रय की कार्यवाही प्रचलित है!

इसके साथ ही प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना के अन्तर्गत 27 हजार 20 लाभार्थियों को आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा आवेदन कराते हुए 7.20 करोड़ की धनराशि डीबीटी के माध्यम से उनके खातों में ट्रांसफर करायी गयी।

आंगनवाड़ी केंद्र बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखते हैं। यह न केवल बच्चों को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ बनाते हैं, बल्कि महिलाओं को भी सशक्त बनाते हैं। आज आंगनवाड़ी केंद्र गरीब और ग्रामीण समाज की रीढ़ बन चुके हैं।

इस अवसर पर जीपी कुशवाहा जिला विकास अधिकारी प्रयागराज, इंद्रबली जिला सूचना अधिकारी, टीपी सिंह एसडीएम न्यायिक, अर्थ एवं संख्या अधिकारी संतोष कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी दिनेश सिंह, बाल विकास परियोजना अधिकारी श्रीमती संजीता सिंह, योगेंद्र दुबे, पुष्पा मिश्रा, इंद्रावती मौर्य, सुभाष बाजपेयी. पप्पू निमीथरिया, श्रीमती संजीता सीडीपीओ नगर प्रथम, श्रीमती अनुरागिनी सिंह, मुट्ठीगंज मंडल अध्यक्ष परमानन्द वर्मा, सुमित बागी, सोनू सिंह, सुदेश पाण्डेय एवं अन्य गणमान्यजन मौजूद रहे।

वृक्षारोपण अभियान सम्पन्न

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। क्लीन एंड ग्रीन एनवायरमेंट द्वारा इस मानसून सत्र का नौवां एवं दसवां वृक्षारोपण अभियान राजकीय प्राथमिक विद्यालय, बड़ोवाला तथा राजकीय प्राथमिक विद्यालय, झिवारेडी में सम्पन्न किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रजातियों के 70 से अधिक वृक्ष रोपित किए गए। रोपित किए गए वृक्षों में गुलमोहर, कनेर, चंपा, बॉटल ब्रश, केसिया सामिया, बेलपत्र, पिलखन इत्यादि के वृक्ष शामिल किए गए।

आज का वृक्षारोपण अभियान हमारी समिति के सदस्य श्री अनुराग शर्मा जी की पूजनीय माता जी को श्रद्धांजलि दिए जाने हेतु था जिनका पिछले सप्ताह स्वर्गवास हो गया था। आज लगाए गए सभी वृक्ष पूजनीय माता जी की याद में सभी सदस्यों ने मिलकर लगाए और 2 मिनट का सबने मौन रखा। समिति द्वारा आने वाले सितम्बर महीने में देहरादून कारागार तथा केंद्रीय विद्यालय, भारतीय सैन्य एकेडमी में किए जाएंगे। उसके अलावा नदी के तट पर बांस के 100 वृक्ष भी लगाए जाएंगे।

इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष राम कपूर, उपाध्यक्ष रणदीप अहलूवालिया, सचिव जे पी किमोठी, कोषाध्यक्ष शंभू शुक्ला, गगन चावला, हर्षवर्धन जमलोकी, मंजुला रावत, नितिन कुमार, अमरनाथ कुमार, दिवाकर नैथानी, मनोज श्रीवास्तव, टीका थापा, सुंदर शुक्ला, शामिल रहे।

इलाज के दौरान बच्चे की मौत, डॉक्टर पर मुकदमा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। कर्नलगंज स्थित एक निजी अस्पताल में पांच वर्षीय रजत की मौत मामले में डॉक्टर और अस्पताल स्टाफ के खिलाफ लापरवाही से मौत का मुकदमा दर्ज किया गया है। उच्चाधिकारियों के आदेश पर रविवार को तीन डॉक्टरों के पैनल ने वीडियोग्राफी के बीच शव का पोस्टमार्टम किया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक बच्चे की मौत हार्ट में ब्लड की क्लाटिंग के चलते हुई। किन वजहों से ब्लड क्लाटिंग हुई यह स्पष्ट नहीं हो पाने के कारण अग्रिम जांच के लिए विसरा और हार्ट प्रिजर्व किया गया है। पूरा पड़ाइन दारागंज निवासी पूनम सोनकर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि तबीयत खराब होने पर उन्होंने 25 अगस्त की रात अपने पांच साल के बेटे रजत को मम्फोर्डगंज स्थित स्वाति हास्पिटल में भर्ती कराया था।

30 अगस्त को उसे डिस्चार्ज किया जाना था। आरोप है कि अस्पताल के बिल को लेकर उन्होंने ऐतराज जताया तो बच्चे को बिना पैसा दिए छोड़ने से इनकार कर दिया गया। इतना ही नहीं घरवालों को बच्चे से मिलने से रोक दिया गया। शाम को 7.30 बजे अस्पताल कर्मियों ने उन्हें बच्चे की मौत की खबर दी। रजत की मां की तहरीर पर कर्नलगंज थाने में अस्पताल के डॉक्टर एलके त्रिपाठी सहित अन्य डॉक्टरों व स्टाफ के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

ट्रेनों में चेकिंग, 77 यात्रियों से वसूला 42000 का जुर्माना

प्रयागराज। छिवकी से मानिकपुर तक शनिवार को रेलवे की टीम ने ट्रेनों में चेकिंग अभियान चलाया। मंडल वाणिज्य प्रबंधक हिमांशु शुक्ला के निर्देशन व सहायक वाणिज्य प्रबंधक दिनेश कुमार के निर्देशन में टीम ने ताप्ती एक्सप्रेस, बरौनी एक्सप्रेस, जनता एक्सप्रेस और प्लेटफार्मों पर चेकिंग की। 77 यात्रियों से अनधिकृत व अनियमित यात्रा व गंदगी फैलाने पर 42,600 रुपये जुर्माना वसूला गया। गाड़ी संख्या 13201 में खिलौने व मोबाइल एक्सेसरीज बेच रहे दो युवकों को पकड़कर आरपीएफ शंकरगढ़ को सौंपा गया।

पानी में तैरता हुआ मिला शव फाफामऊ।रविवार की सुबह एक युवक की लाश पानी मे तैरती मिली लोगों ने देखा तो पुलिस को सूचना दी।फाफामऊ पुलिस मौके पर पहुंच कर लाश को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।पता करने पर लक्ष्मी नगर फाफामऊ का आनंद कुमार भारतीय 30 वर्ष पुत्र राम गरीब गब्बर भारतीय के रूप मे हुई।परिजनों ने बताया कि करीब 2 दिन घर से निकला था। उसका कहीं पता नहीं चल रहा था।

अपनी घिनौनी भाषा के लिए पूरे देश से माफी मांगें महुआ मोइत्रा

गृह मंत्री का अपमान हर भारतीय का अपमान है : नन्दी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह पर तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा द्वारा की गई अभद्र टिप्पणी का उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने कड़ा विरोध किया है।

मंत्री नन्दी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा कि गृह मंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा की न केवल दूषित मानसिकता को उजागर करती है बल्कि यह टी.एम.सी के राजनीतिक पतन और घृणास्पद आचरण का स्पष्ट उदाहरण भी है।

महुआ मोइत्रा की टिप्पणी से लोकतांत्रिक संस्थाओं का अपमान हुआ है और ऐसा बयान समाज में

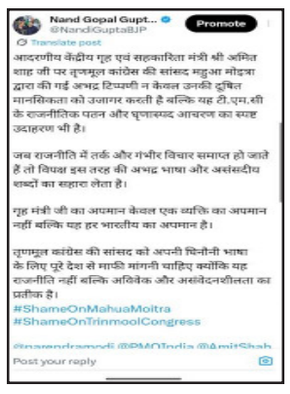

मंत्री नन्दी ने कहा कि जब राजनीति में तर्क और गंभीर विचार समाप्त हो जाते हैं तो विपक्ष इस तरह की अभद्र भाषा और असंसदीय शब्दों का सहारा लेता है। गृह मंत्री का अपमान केवल एक व्यक्ति का अपमान नहीं बल्कि यह हर भारतीय का अपमान है। तृणमूल कांग्रेस की सांसद को अपनी घिनौनी भाषा के लिए पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए क्योंकि यह राजनीति नहीं बल्कि अविवेक और असंवेदनशीलता का प्रतीक है।

आमजन में नई ऊर्जा का संचार करता है मन की बात

युवाओं के लिए एक नई उम्मीद और नया रास्ता दिखा रहा प्रतिभा सेतु

उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने अपने विधानसभा क्षेत्र में सुनी मन की बात

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने रविवार को अपने प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के कीडगंज मंडल के बूथ संख्या 280 पूरावल्दी में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, व्यापारी भाइयों, समर्थकों एवं आमजन के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना।

मंत्री नन्दी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रेरणादायक मार्गदर्शन सदैव नई ऊर्जा प्रदान करता है, जनसेवा के पथ पर दृढ़ता से आगे बढ़ने और राष्ट्र निर्माण के कार्य में निरंतर जुटे रहने की प्रेरणा देता है।

मन की बात के 125वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं के लिए एक नई उम्मीद और नया रास्ता दिखाया। कहा कि 'प्रतिभा सेतु' नामक एक डिजिटल प्लेटफॉर्म बनाया गया

है, जिसमें उन हज़ारों युवाओं का डेटा मौजूद है, जिन्होंने ऊझएण, इंजीनियरिंग सर्विसेज़ और मेडिकल सर्विसेज़ जैसी कठिन परीक्षाओं के कई चरण पार किए, लेकिन अंतिम सूची में स्थान नहीं पा सके।

यह पोर्टल आज 10, 000 से भी अधिक मेधावी युवाओं की प्रतिभा का खज़ाना है। निजी कंपनियाँ इस प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से इन युवाओं तक पहुँचकर उन्हें रोज़गार के अवसर प्रदान कर सकती हैं। प्रधानमंत्री मोदी का यह प्रयास सिर्फ़ एक योजना नहीं, बल्कि उन सपनों को नया आसमान देने की कोशिश है।

इस अवसर पर भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, कीडगंज मंडल अध्यक्ष कबीर जायसवाल, कीडगंज मंडल कोषाध्यक्ष सत्येंद्र तिवारी, मंडल उपाध्यक्ष तिर्थेश्वर पुरी मिश्रा, देवेंद्र प्रताप सिंह, जितेंद्र चौरसिया, श्रीमती पूनम गुप्ता, पवन प्रताप सिंह, शलभ जायसवाल, मंडल मीडिया प्रभारी शिवराम सिंह, मंडल महामंत्री सनी सोनकर, श्रीमती वंदना श्रीवास्तव, अश्विनी जायसवाल, श्रीमती रीता साहू, संजीव जायसवाल, सतीश चंद्र राव, बूथ अध्यक्ष महेंद्र पांडेय, सेक्टर संयोजक रमेश केसरवानी, पन्ना प्रमुख राजकुमार अग्रहरि, विशाल केसरवानी, प्रवीण कुमार साहू, मनोज कुमार, मनोज गुप्ता एवं गणमान्यजन मौजूद रहे।

प्रयागराज पहुंची शहीदी यात्रा गूंजा 'सत् श्री अकाल

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। श्री गुरु तेग बहादुर साहिब के 350वें शहीदी दिवस पर गुरुद्वारा श्री तेग बहादुर साहिब धोबड़ी साहिब (असोम) से निकली शहीदी यात्रा रविवार को शहर पहुंची। शास्त्री पुल के रास्ते शहर में यात्रा के प्रवेश करते ही श्री गुरु सिंह सभा खुल्दाबाद, विश्व हिन्दू परिषद व प्रयाग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने सिविल लाइंस स्थित सुभाष चौराहे तक यात्रा का स्वागत किया। फूलों से सुसज्जित रथ को देखते ही शीश झुकाकर सिख संगत सहित हजारों लोग 'जो बोले सो निहाल, सत् श्री अकाल का उद्घोष करते रहे। यात्रा अलोपीबाग चुंगी, सोहबतियाबाग, बालसन चौराहा, मेडिकल कॉलेज चौराहा, हनुमान मंदिर चौराहा होते हुए देर शाम सुभाष चौराहे पर पहुंची।

अलोपीबाग में तहजीब की मिसाल देखने को मिली, जहां सिख संगतों के साथ हिन्दू-मुस्लिम भी गुरु की यात्रा का स्वागत पहुंचे थे। सुभाष चौराहे पर यात्रा पहुंचने के बाद गुरु साहब के जीवन व बलिदान की गाथा पर व्याख्यान हुआ। यहां से यात्रा पत्थर गिरजाघर, नगर निगम, नवाब युसूफ रोड, डीएसए पुल, रेलवे स्टेशन, प्रयाग होटल होते हुए गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा खुल्दाबाद पहुंची।

सभा के महामंत्री दिलजीत सिंह ने बताया कि रात्रि विश्राम के बाद एक सितंबर को यात्रा खुल्दाबाद सब्जी मंडी, हिम्मतगंज, चौफटका पुल, सुलेमसराय, मुंडेरा व गुरुद्वारा पूरामुफ्ती होते हुए बरेली के लिए प्रस्थान करेगी।

स्वागत करने वालों में महापौर गणेश केसरवानी, विधायक हर्षवर्धन बाजपेई, सिख संगत अलोपीबाग के प्रधान सरदार परमजीत सिंह बग्गा, गुरदीप सिंह सारण, बलजीत सिंह कोहली, मनु चावला, प्रेमजीत गुजराल, लखविंदर सिंह, कुलदीप सिंह बग्गा, विहिप काशी प्रांत के अध्यक्ष केपी सिंह, उपाध्यक्ष विनोद अग्रवाल, पार्षद साहिल अरोड़ा, रविंद्र मोहन गोयल आदि शामिल रहे।

सामूहिक दुष्कर्म का इनामी आरोपी पुलिस मुठभेड़ मे घायल

मंत्र भारत संवाददाता

फाफामऊ। कर्जन पुल के नीचे एक युवती से दुष्कर्म एवं मारपीट मामले में फरार आरोपित अनिल भारतीय उर्फ बरसाती पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार, पैर में लगी गोली।

आरोपित ने सामूहिक दुष्कर्म की बात कबूली, 16 अगस्त को हुई थी घटना शनिवार को फाफामऊ पुलिस को सूचना मिली कि दुष्कर्म का इनामी आरोपी अनिल भारतीया उर्फ बरसाती मलाक हरहर मे दिखाई दिया है।फाफामऊ थानाध्यक्ष अश्विनी कुमार सिंह मय फोर्स नव निर्माणाधीन सिक्सलेन पुल के पास घेरा बन्दी की पूर्वाह्न मे एक मोटर साईकिल बिना नम्बर की आती दिखाई पडी जिसे रुकने का इशारा पुलिस द्वारा किया गया पुलिस को देखते ही मोटर साइकिल की स्पीड बढा दी गई और फायरिंग शुरू कर दी पुलिस कुछ देर पीछा किया लेकिन फायरिंग न रुकने से आत्मरक्षा के लिए पुलिस ने भी गोली चला दी जिससे भाग रहे अपराधी के पैर मे गोली लगी गोली लगते ही घायल होकर गिर पडा पुलिस तुरंत घायल को कब्जे में लिया जिसकी पहचान अनिल भारतीया उर्फ बरसाती के रूप हुई। मौके पर पिस्टल कारतूस व खोखा सहित बिना नम्बर की मोटर साइकिल बरामद कि गई है। घायल अनिल को इलाज हेतु अस्पताल मे भर्ती कराया है।आरोपी के ऊपर पूर्व मे भी अपराधिक केश दर्ज है।इस पर 25000/ हजार का इनाम घोषित किया गया था।

हाईकोर्ट के निर्देश पर ग्राम समाज की जमीन से अतिक्रमण हटाया गया

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई (प्रयागराज)। फूलपुर तहसील क्षेत्र के देवापुर गांव में ग्राम समाज की जमीन पर किए गए अवैध कब्जे को प्रशासन ने शनिवार को हटा दिया। यह कार्रवाई हाईकोर्ट के आदेश पर उप जिलाधिकारी फूलपुर दिग्विजय सिंह, तहसीलदार सुरेश कुमार शुक्ला और नायब तहसीलदार नवल किशोर शुक्ला के नेतृत्व में की गई।

कार्रवाई के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए थरवई पुलिस बल भी मौके पर मौजूद रहा। ग्राम समाज की जमीन पर लंबे समय से अवैध कब्जा होने की शिकायतें मिल रही थीं। ग्रामीणों ने बताया कि कब्जा हटने से गांव में राहत का माहौल है।प्रशासनिक अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि भविष्य में ग्राम समाज की भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के जिला पदाधिकारियों का मनोनयन

व्यापारियों के बल पर ही भारत विकसित राष्ट्र बनेगा : कमलेश चंद्र

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के जिला पदाधिकारियों का मनोनयन कार्यक्रम मुंशी राम प्रसाद की बगिया मुट्ठीगंज में किया गया। इस अवसर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश मंत्री कमलेश चंद्र केसरवानी ने मनोनीत हुए सभी पदाधिकारियों को मनोनयन पत्र देकर उन्हें बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री नितिन अग्रवाल के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश का व्यापारी समाज एकजुट होकर व्यापारी समाज के हित कि लड़ाई लड़ रहा है और कहा कि व्यापारी समाज के बल पर ही भारत विकसित राष्ट्र बनेगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सुनील कुमार सोनू ने करते हुए सभी नवनियुक्त मनोनीत पदाधिकारी को बधाई दी मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि जिला अध्यक्ष सुनील केसरवानी सोनू के नेतृत्व में वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजकुमार केसरवानी, उपाध्यक्ष रोशनी अग्रवाल, राजेश गुप्ता, प्रयागराज जिले के महामंत्री गौरव गुप्ता, कोषाध्यक्ष अमित कुमार केसरवानी, कमलेश केशरवानी किशन चन्द्र जायसवाल, शत्रुघ्न जायसवाल योगेंद्र बिना शिवलाल केसरवानी, मीडिया प्रभारी एवं प्रवक्ता राजेश केसरवानी एवं जिला अध्यक्ष जमुना पार राजेंद्र गुप्ता एवं उपाध्यक्ष शशि शेखर श्रीवास्तव को मनोनीत किया गया और मनोनीत किए गए सभी पदाधिकारी को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित करते हुए संकल्प दिलाया गया।

सम्पादकीय

मैदान की नायिकाएँ : ओलंपिक में भारतीय महिला खिलाड़ियों का उदय

भारतीय खेल इतिहास लंबे समय तक पुरुष प्रधान रहा, लेकिन बीते कुछ दशकों में महिलाओं ने जिस तरह से अपनी पहचान बनाई है, वह अभूतपूर्व है। कभी खेलों में महिलाओं की भागीदारी सीमित और हाशिए पर थी, परंतु आज भारतीय बेटियाँ अंतर्राष्ट्रीय मंच पर देश का परचम लहरा रही हैं। भारतीय महिला खिलाड़ियों का ओलंपिक प्रतिनिधित्व निरंतर बढ़ता गया है। 2000 में नगण्य उपस्थिति से शुरू होकर यह आँकड़ा आज 40-44इ तक पहुँच चुका है। यह बदलाव केवल खेलों का नहीं, बल्कि समाज में महिला सशक्तिकरण और बदलती सोच का भी प्रतीक है। कहा जाता है–'भर्तृभक्त्या स्त्रियः श्रेयो लभन्ते लोकसम्मतम्।' अर्थात् स्त्रियाँ अपनी निष्ठा और कर्म से लोक में श्रेष्ठ यश प्राप्त करती हैं।

1952 के हेलसिंकी ओलंपिक में मैरी डिसूज़ा ने भारत का प्रतिनिधित्व कर इतिहास रचा। वे पहली भारतीय महिला एथलीट थीं जिन्होंने ओलंपिक मंच पर कदम रखा। उस समय न पर्याप्त प्रशिक्षण सुविधाएँ थीं, न ही समाज से उन्हें व्यापक स्वीकृति मिलती थी। धीरे-धीरे समय बदला और 1980 के दशक में पी.टी. ऊषा भारतीय खेलों का बड़ा नाम बनीं। 'ट्रैक क्वीन' कही जाने वाली ऊषा ने 1984 लॉस एंजेलिस ओलंपिक में 400 मीटर हर्डल्स में चौथा स्थान पाकर इतिहास रचा। पदक से कुछ सेकंड दूर रह जाने पर भी उन्होंने दिखाया कि भारतीय महिलाएँ ट्रैक पर वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकती हैं। उनकी उपलब्धि ने असंख्य बेटियों को खेलों की ओर प्रेरित किया। इसके बाद खेलों में महिलाओं की भागीदारी धीरे-धीरे बढ़ती गई।

2000 के दशक में कर्णम मल्लेश्वरी ने सिडनी ओलंपिक में वेटलिफ्टिंग का कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा। वे भारत की पहली महिला बनीं जिन्होंने ओलंपिक में पदक हासिल किया। इस उपलब्धि ने महिलाओं की खेल यात्रा में नया साहस और आत्मविश्वास भर दिया। 2010 के बाद भारतीय महिला खिलाड़ियों का स्वर्णिम दौर शुरू हुआ। 2012 लंदन ओलंपिक में साइना नेहवाल ने बैडमिंटन में कांस्य जीतकर खेल को घर-घर पहुँचाया। उसी वर्ष मणिपुर की मैरी कॉम ने मुक्केबाजी में कांस्य पदक जीतकर साबित किया कि साधारण पृष्ठभूमि, माँ और पत्नी होने की जिम्मेदारियों के बावजूद विश्वस्तरीय खिलाड़ी बन सकती हैं। उनका संघर्ष प्रेरणादायक कथा है–साधारण परिवार से निकलकर पाँच बार की विश्व चैंपियन बनीं और राज्यसभा सांसद के रूप में भी सभी को प्रेरणा देती रहीं। 2016 रियो ओलंपिक में भारतीय महिलाओं ने देश की उम्मीदों को संभाला। पी.वी. सिंधु ने बैडमिंटन में रजत पदक जीता और साक्षी मलिक ने कुश्ती में कांस्य पदक। दीपा कर्माकर ने जिम्नास्टिक में 'प्रोडुनोवा' जैसे कठिन वॉल्ट को सफलतापूर्वक कर देश को रोमांचित किया। यहीं से यह धारणा और गहरी हो गई कि महिलाएँ अब हर खेल में समान रूप से आगे बढ़ सकती हैं।

2020 टोक्यो ओलंपिक (2021) में भारतीय महिला खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। मीराबाई चानू ने वेटलिफ्टिंग में रजत पदक जीता, लवलीना बोरगोहेन ने मुक्केबाजी में कांस्य पदक हासिल किया और पी.वी. सिंधु ने लगातार दूसरी बार पदक जीतकर इतिहास रचा। इन उपलब्धियों का प्रभाव पदकों से कहीं आगे बढ़ा। अब ग्रामीण क्षेत्रों की बेटियाँ, जहाँ खेलना कभी असंभव माना जाता था, मैरी कॉम, साक्षी मलिक और मीराबाई चानू को देखकर आगे बढ़ रही हैं। हरियाणा जैसे राज्यों के छोटे गाँवों से निकलकर बेटियाँ अंतर्राष्ट्रीय मंच तक पहुँच रही हैं, वहीं कभी बेटियों के जन्म पर खुशी तक नहीं मनाई जाती थी। भारतीय महिलाओं का खेल सफर सशक्तिकरण की जीवंत गाथा है।

बदलते समाज में परिवार बेटियों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। स्कूल-कॉलेजों में सुविधाएँ बढ़ी हैं और सरकार 'खेलो इंडिया' जैसे कार्यक्रमों से महिला खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान कर रही है। इस यात्रा से यह सिद्ध होता है कि वास्तविक बदलाव सिर्फ पदकों से नहीं, बल्कि उन संघर्षों से उपजता है जिन्हें खिलाड़ी अपने पीछे प्रेरक उदाहरण के रूप में समाज के लिए छोड़ जाती हैं। पी.टी. ऊषा की दौड़, कर्णम मल्लेश्वरी का ऐतिहासिक पदक, मैरी कॉम की जुझारू लड़ाई, सिंधु का आत्मविश्वास और मीराबाई का साहस–ये सब मिलकर भारतीय महिलाओं की बदलती स्थिति की कथा कहते हैं। जैसा कि मैरी कॉम ने कहा है–'कभी हार मत मानो, क्योंकि जब तुम हार मानते हो, तभी तुम्हारी असली हार होती है।' आज भारतीय महिला खिलाड़ी केवल पदक नहीं जीत रहीं, बल्कि रूढ़ियाँ तोड़कर बेटियों को प्रेरित कर रही हैं और यह संदेश दे रही हैं कि खेल जीवन की सबसे बड़ी शिक्षा है–संघर्ष, अनुशासन और आत्मविश्वास। आने वाले समय में जब इतिहास लिखा जाएगा तो यह कहा जाएगा कि इक्कीसवीं सदी में भारतीय महिलाओं ने खेलों के दिशा और स्वरूप को पूरी तरह परिवर्तित कर दिया।

मोदी के चीन जाने से पहले ही ट्रंप ने ले लिया एक और बड़ा फैसला, निकाले जाएंगे लाखों भारतीय?

भारत पर टैरिफ लगाने वाले डोनाल्ड ट्रंप अब ऐसा फैसला लेने जा रहे हैं, जिससे लाखों भारतीयों को वापस हिंदुस्तान लौटना पड़ सकता है। अमेरिका में रहने वाले भारतीयों को डबल झटका लगने वाला है। दरअसल, अपने दूसरे कार्यकाल में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह के फैसले ले रहे हैं। वो पूरी दुनिया को चौंका रहे हैं। खासकर अपना सबसे अच्छा दोस्त बताने वाले भारत के खिलाफ ट्रंप जो अपना नफरती एजेंडा चला रहे हैं। उसके बारे में किसी ने सोचा भी नहीं होगा। या तो उन्हें भारत की तरक्की पसंद नहीं आ रही है, या फिर वो अपनी बात मनवाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। टैरिफ के बाद अब ट्रंप की नजर अमेरिका में रहने वाले लाखों भारतीयों पर है। यानी की अब भारतीयों की नौकरी पर भी खतरे की घंटी बजने लगी है। इसके संकेत भी मिलने शुरू हो गए हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने अमेरिकी वीज़ा कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण आमूलचूल परिवर्तन का संकेत दिया है, जिसमें लॉटरी-आधारित आवंटन शामिल है। आव्रजन, अमेरिका में सबसे अधिक ध्रुवीकरण करने वाले विषयों में से एक रहा है, जहाँ ट्रंप सरकार विदेशियों पर कड़ी कार्रवाई कर रही है। इस तरह की जाँच देश में एच-1बी वीज़ा धारकों की स्थिति पर भी लागू हो रही है। यह ध्यान देने योग्य है कि भारत में जन्मे लोग एच-1बी कार्यक्रम के सबसे बड़े लाभार्थी हैं। अमेरिकी

सरकार के आंकड़ों से पता चलता है कि 2015 से हर साल स्वीकृत होने वाले सभी एच-1बी आवेदनों में से 70 प्रतिशत से अधिक भारतीयों के हैं। चीन में जन्मे लोग दूसरे स्थान पर हैं, जो 2018 से 12-13 प्रतिशत के आसपास मँडरा रहे हैं।

अमेरिकी रिपब्लिकन सीनेटर माइक ली ने एच1बी वीजा पर रोक लगाने की संभावना जताई है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोल के जवाब में सवाल उठाया है कि क्या अब एच1बी वीजा पर रोक लगाने का समय आ गया है। यानी की उन्होंने एच1बी वीजा को रोकने की मांग कर डाली है। हाल ही में उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा था कि बड़ी टेक कंपनियां अमेरिकी कर्मचारियों को निकालकर एच1बी वीजा कर्मचारियों को भर्ती करती हैं। जो अमेरिकी पेशेवरों के साथ अन्यायपूर्ण है। उन्होंने उदाहरण दिया था कि कंपनियां हजारों कर्मचारियों को निकालने के बाद भी विदेश वर्क वीजा के लिए आवेदन कर रहे हैं। इसके पहले रिपब्लिकन कांग्रेसी मार्जोरी टेलर ग्रीन ने भारतीयों को एच1बी वीजा जारी करना बंद करने का सुझाव दिया था। ग्रीन ने आरोप लगाया था कि भारतीय प्रोफेशनल अमेरिका के लोगों की नौकरियां छीन रहे हैं।

एच-1बी नॉन-इमिग्रेंट वीजा प्रोग्राम अमेरिकी नियोक्ताओं को विशेष व्यवसायों में अस्थायी रूप से विदेशी श्रमिकों को नियुक्त करने की अनुमति देता है। ऐसे व्यवसायों को कानून इस रूप में परिभाषित करता है कि उनके लिए अत्यधिक विशिष्ट ज्ञान और विशिष्ट विशेषता में स्नातक (बैचलर) या उच्च डिग्री या इसके समकक्ष योग्यता की आवश्यकता होती है। ये वीजा तीन साल के लिए जारी होता है, जिसे 6 साल तक बढ़ाया जा सकता है। हर साल अमेरिकी सरकार 65000एच1बी वीजा जारी करती है। जबकि 20 हजार अतिरिक्त वीजा अमेरिकी विश्वविद्यालयों से मास्टर या पीएचडी करने वालों के लिए जारी किए जाते हैं।

भारत लंबे समय से एच1बी वीजा का लाभ लेने वाला देश रहा है, विशेषरूप से आईटी और टेक्नोलॉजी पेशेवरों के लिए। हर साल हजारों भारतीय इंजीनियर, डॉक्टर और शोधकर्ता एच1बी वीजा से अमेरिका जाते हैं। अगर नियम सख्त किए गए या रोक लगाई गई तो इसका सीधा असर भारत के आईटी सेक्टर या भारतीय टैलेंट पर पड़ेगा।

गौरतलब है कि भारत में जन्मे लोग एच-1बी कार्यक्रम के सबसे बड़े लाभार्थी हैं। अमेरिकी सरकार के आंकड़ों से पता चलता है कि 2015 से हर साल स्वीकृत होने वाले सभी एच-1बी आवेदनों में से 70 प्रतिशत से ज़्यादा भारतीय हैं। चीन में जन्मे लोग दूसरे स्थान पर हैं, जो 2018 से 12-13 प्रतिशत के आसपास मँडरा रहे हैं। द इंडियन एक्सप्रेस के अनुसार, अक्टूबर 2022 और सितंबर 2023 के बीच, एच-1बी कार्यक्रम के तहत जारी किए गए लगभग 4 लाख वीज़ा में से 72 प्रतिशत भारतीय नागरिकों को मिले। इसी अवधि के दौरान, अमेरिका में मौजूद शीर्ष चार भारतीय आईटी कंपनियों - इंफोसिस, टीसीएस, एचसीएल और विप्रो - को लगभग 20, 000 कर्मचारियों को प-1ँ वीज़ा पर काम करने की मंज़ूरी मिली, जैसा कि अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा के आंकड़ों से पता चलता है।

अमेरिका में एच-1बी वीज़ा की बढ़ती आलोचनाओं के बीच, भारतीय अधिकारियों ने कहा है कि इन वीज़ा का फ़ायदा अंततः अमेरिकी टेक कंपनियों को ही मिल रहा है। इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में अधिकारियों ने स्वीकार किया कि एच-1बी वीज़ा, जिसके प्रमुख लाभार्थी भारतीय हैं, पर प्रतिबंध भारत के आईटी क्षेत्र और उसके कर्मचारियों पर असर डाल सकते हैं। यह निश्चित रूप से अमेरिका में भारतीय कामगारों की पहुँच को सीमित कर सकता है, जिसके परिणामस्वरूप यहाँ की आईटी कंपनियों को अमेरिका-आधारित अनुबंध मिलेंगे, जिससे उनके राजस्व में कमी आ सकती है। लेकिन वीज़ा ने अमेरिकी कंपनियों को दुनिया भर में सही कर्मचारी ढूँढ़ने में काफ़ी मदद की है, और क्या वे इसकी जगह अमेरिकी लोगों को ला पाएँगी, यह स्पष्ट नहीं है। निश्चित रूप से यह कोई आसान बदलाव नहीं है।

इन्फ्लूएंसरों द्वारा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग आखिर कब तक

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर किसी की भी मजाक उड़ाना या उपहास का पात्र बनाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। पिछले कुछ सालों से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग आम होता जा रहा है। यहां तक कि स्वतंत्रता के नाम पर समाज में वैमनस्य बढ़ाना, वर्ग विशेष के खिलाफ अशोभनीय टिप्पणी करना, धार्मिक भावनाओं को आहत करना इन उपहास कर्ताओं के लिए तो सामान्य होता जा रहा है तो राजनीतिक व सोशल एक्टिविस्ट भी इसमें पीछे नहीं है। ऐसे में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश महत्वपूर्ण हो जाते हैं। माननीय न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जोयमाल्या बागची की सरकार को गाइड लाईन जारी कर सीमाओं में बांधने और इस तरह के इन्फ्लूएंसरों के खिलाफ सख्त टिप्पणी व उसी स्तर की सार्वजनिक माफी मांगने के निर्देश आवश्यक हो गए थे। हालांकि यह आदेश स्पाइनल मस्कुलर एट्रोपी एसएमए से पीड़ित व्यक्तियों का समय रैना व अन्य द्वारा उपहास उड़ाने से संबंधित प्रकरण में दिए गए हैं। आदेश में दिव्यांगों का उपहास करने को गंभीरता से लिया गया है और साफ निर्देश दिए गए हैं कि जिस स्तर पर उपहास उड़ाया गया ठीक उसी स्तर पर माफी भी मांगी जाए। इसका सीधा सा अर्थ यह हुआ कि माफी की औपचारिकता से काम नहीं चलने वाला है।

एूदैब म्दहूग्हले ात्दै पूर्

व्यूअरशिप, फोलोवर्स या व्यूज बढ़ाने के लिए जिस तरह से सोशल मीडिया या यों कहे कि इंटरनेटी संसाधनों का उपयोग करते हुए किसी को भी उपहास का पात्र बनाना आम होता जा रहा है, उस पर लगाम की आवश्यकता लंबे समय से चली आ रही थी और ऐसे में देश में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति द्वय जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जोयमाल्या बागची द्वारा की गई टिप्पणी ऐसे तत्वों और सरकार दोनों के लिए महत्वपूर्ण हो जाती है। दरअसल फूहड हास्य कार्यक्रमों और सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर प्रस्तुत सामग्री में मीडिया इन्फ्लूएंसरों द्वारा लोगों का बैखोफ उपहास उड़ाया जाना आम होता जा रहा है। ऐसे लोग अपने आपको समाज के विशिष्ट व्यक्ति बनने और दिखाने का प्रयास करते हैं। दावा करते है कि उनके इतने फोलोवर्स है या इतने व्यूअर्स है। पर सवाल यह उठता है कि किसी की मजाक उडाने या उपहास करने का अधिकारी आपको कौन देता है। हेट स्पीच और उसको सोशल मीडिया के माध्यम से प्रसारित करने के दुष्परिणाम सामने हैं। छोटी सी टिप्पणी कभी कभी तो असामाजिक तत्वों के लिए अच्छा अवसर बन जाती है और कानून व्यवस्था को प्रभावित करने तक की सीमा तक पहुंच जाती है। मजे की बात यह है कि हेट स्पीच या ऐसी टिप्पणी

करने वालों पर कार्रवाई होते ही तथाकथित वुद्धिजीवियों की टीम सक्रिय हो जाती है।

यह तथाकथित कोमेडियन और सोशल इन्फ्लूएंसर अपनी टिप्पणियों की बदौलत व्यूअरशिप बढ़ाते हैं और अनाप शनाप पैसा कमाते हैं, अपनी जेब भरते है। यही कारण है कि सर्वोच्च न्यायालय ने इसे गंभीरता से लिया है और इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के तहत टिप्पणी नहीं मानते हुए व्यावसायिक गतिविधि करार दिया है। वैसे भी सामान्य नैतिकता का सवाल भी यह उठता है कि आपकों किसी अन्य की विकलांगता या अन्य टिप्पणी को अधिकार कैसे मिल सकता है। कैसे आप किसी को उपहास का पात्र बना सकते हैं तो कैसे आप अनर्गल टिप्पणी कर सकते हैं। हालांकि आजकल हेट स्पीच को लेकर तो न्यायालयों में जाने का चलन बढ़ा है और यह जरुरी भी हो जाता है। सोशल मीडिया के नाम पर आप किसी की निजता पर कीचड़ नहीं उछाल सकते हैं।

यह निर्णय इस मायने में अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है कि कामेडियन्स या इन्फ्लूएंसर्स द्वारा जिस तरह से इस तरह की गतिविधियां आम होती जा रही है उस पर सख्त लगाम कसना जरुरी हो जाता है। यदि इसी मामलें को देखा जाए तो एक तो ऐसे व्यक्तियों के साथ वैसे ही अन्याय हुआ है और फिर उस शारीरिक विकलांगता का मजाक उड़ाना या निशाना बनाना कहां की नैतिकता हो सकती है। इसके अलावा इंस्ट्राग्राम, वाट्सएप इसी तरह के सोशल मीडिया साइट पर अनर्गल टिप्पणियां या किसी घटना विशेष पर इस तरह की प्रतिक्रिया देकर तनाव के हालात पैदा कर देना या इसी तरह के हालात पैदा करने से आपका शौक तो पूरा हो जाता है पर उसके दुष्परिणाम भुगतने पड़ते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफार्म को सीमाओं में बांधना जरुरी हो जाता है। शहरों में आए दिन दंगे तनाव के हालात बनना आम होता जा रहा है। न्यायालय की टिप्पणी के मध्येनजर सोशल मीडिया प्लेटफार्म संचालकों को भी इस तरह की टिप्पणियों या सामग्री को फिल्टर करने आगे आना चाहिए। अभी तो होता यह है कि चाहे किसी भी तरह की रील हो यदि उसकी व्यूअरशिप ठीक आ जाती है तो कमाई का माध्यम बन जाती है जबकि होना यह चाहिए कि ऐसे इन्फ्लूएंसरों पर सख्ती होने के साथ ही साथ इस तरह की टिप्पणी या रील उसी व्यक्ति द्वारा करने पर ऐसे अकांउट को ब्लेक लिस्ट करते हुए ब्लॉक कर दिया जाना चाहिए।

माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने अपना काम कर दिया है। देर सबेर सरकार भी गाइडलाइन जारी कर देगी। हो सकता है सख्त प्रावधान भी कर दे पर समस्या का समाधान आसानी से होता लगता नहीं हैं। ऐसे में आम आदमी को भी आगे आना होगा तो गैर सरकारी संगठनों, सामाजिक संगठनओं और खासतौर से तथाकथित वुद्धिजीवियों को सकारात्मक सोच के साथ आगे आना होगा तभी कामेडियनों और सोशल इन्फ्लूएंसरों पर प्रभावी रोक संभव हो सकेगी।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के शताब्दी संदेश से बहुत कुछ प्रेरणा ले सकती है भाजपा

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत जब भी कुछ बोलते हैं उसे बिना कुछ सोचे समझे देश की सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी से संबंधित मान लिया जाता रहा है। ऐसे में इस बार भी उन्होंने विज्ञान भवन में जो कुछ कहा है, उसे बीजेपी से ही जोड़कर देखा ही जाएगा। सर्वप्रथम, उनका यह कहना महत्वपूर्ण है कि हिंदू राष्ट्र का सत्ता से कोई लेना-देना नहीं', बल्कि इसके बड़े मायने हैं। ऐसे समय में जब देश में हिंदूवादी राजनीति अपने शिखर पर है, मोहन भागवत द्वारा दिया गया यह भाषण बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है।

वाकई जब वे कहते हैं कि हिंदू राष्ट्र शब्द का सत्ता से कोई मतलब नहीं है, तो इसके गहरे सियासी निहितार्थ हैं। क्योंकि प्रायः भाजपा सरकार पर विपक्ष लगातार आरोप लगाता रहा है कि वह इस विचारधारा को सत्ता पाने और उसमें बने रहने के औजार के रूप में इस्तेमाल करती है। कहना न होगा कि संघ बीजेपी को समय समय पर वैचारिक खुराक व प्रबुद्ध दिशानिर्देश देता रहा है। यही वजह है कि अपने तमाम मतभेदों के बावजूद संघ और बीजेपी एक बिंदु पर जाकर एक हो जाते हैं।

ऐसे में स्पष्ट है कि भागवत का कथन सिर्फ शब्दों का खेल नहीं है, बल्कि संघ की मूल वैचारिक धारा की वह सहज और सरल अभिव्यक्ति है, जो देश में सत्तासीन बीजेपी नीत एनडीए सरकार के लिए एक माकूल दिशा का निर्धारण भी करता है। ऐसे में सीधा सवाल यह है कि संघ प्रमुख के इस बयान के मायने क्या हैं? क्या यह सीधे-सीधे वक्त-वेवक्त लीक से भटकती दिखाई देतीबीजेपी नेताओं को संदेश देता है?

यूँ तो 21वीं सदी के महान किंगमेकर मोहन भागवत समय समय पर नीतिगत बातें स्पष्ट करते रहते हैं। ऐसे में उनका यह ताज़ा बयान भी ऐसे समय पर आया है जब इंडिया गठबंधन रूपी बिखरा विपक्ष भाजपा पर निरंतर यह आरोप मढ रहा है कि वह बहुसंख्यकवाद और ध्रुवीकरण को बढ़ावा दे रही है। इस बात में कोई दो राय नहीं कि उनकी दूरदर्शिता के बदौलत ही भाजपा लगातार तीसरी बार केंद्र में सत्तासीन है। इसके अलावा कई अन्य राज्यों में भी उसके हाथ में सूबाई सत्ता की ताकत है।

लिहाजा, संघ प्रमुख का यह कहना कि हिंदू राष्ट्र का अर्थ सत्ता से नहीं है, एक राजनीतिक संतुलन साधने की कवायद के रूप में भी देखा जा सकता है। इससे स्पष्ट होता है कि संघ अब बीजेपी को हिंदू राष्ट्र के मुद्दे को थोड़ा नरम करके चलने का संकेत देना चाहता हो। चूंकि परिवर्तन सृष्टि का शाश्वत नियम है। इसलिए संघ की सोच-समझ में समयानुसार नीतिगत सुधार अपेक्षित है। ऐसे में जो आरएसएस अपनी स्थापना के शुरुआती दिनों से ही हिंदू राष्ट्र की बात पर मुखर रहा है, वह भी नरम हो रहा है।

बता दें कि सदाशिव गोलवलकर, जिन्हें गुरुजी कहा जाता है, ने इसे परिभाषित करते हुए कहा था कि भारत की आत्मा हिंदू है और यहां की संस्कृति की जड़ें हिंदुत्व से निकली हैं। वाकई संघ का शुरू से ही मानना रहा है कि हिंदू शब्द सिर्फ धार्मिक नहीं है, बल्कि इसमें सभ्यता, परंपरा, जीवनशैली और सामाजिक मूल्य सभी शामिल हैं। यही वजह है कि संघ हमेशा कहता रहा कि मुसलमान, ईसाई, पारसी या अन्य धार्मिक समूह भी इस राष्ट्र के उतने ही हिस्से हैं, जितने हिंदू। इसलिए

यह बिल्कुल सीधा और साफ संदेश है कि भागवत का बयान संघ की पुरानी लाइन को ही दोहराता है।

कहना न होगा कि आरएसएस सीधे सत्ता की राजनीति में शामिल नहीं होता है, बल्कि संघ की असली ताकत समाज-निर्माण, जनशिक्षा, जनसेवा और सांस्कृतिक कार्यक्रम में है। इसलिए संघ प्रमुख के इस बात में कुछ भी नया नहीं है कि हिंदू राष्ट्र का लक्ष्य संसद में बहुमत पाना नहीं है, बल्कि समाज को ऐसा बनाना है जिसमें नैतिकता, समरसता और सांस्कृतिक एकता स्थापित हो। लेकिन उनकी इस बात की टाइमिंग बहुत ही महत्वपूर्ण है। शायद यह हो सकता है कि संघ प्रमुख बीजेपी के लिए कोई सीमा रेखा खींच रहे हैं या अल्पसंख्यकों को कोई व्यापक संदेश दे रहे हों।

ऐसा इसलिए कि भारत में हिंदू राष्ट्र का सीधा संबंध अक्सर मुसलमानों और अन्य अल्पसंख्यकों में असुरक्षा की भावना से लिया जाता है। जबकि विपक्ष इसे बहुसंख्यकवादी एजेंडा मानता है। वहीं, चूंकि कांग्रेस-समाजवादियों की तुष्टीकरण की नीतियों से ही हिंदुओं को काफी क्षति हुई है, जिससे संघ-भाजपा की विचारधारा को मजबूती मिली। हालांकि, कांग्रेस नेताओं के मुंह से बीजेपी के बजाय आरएसएस के लिए ज्यादा अपशब्द निकलता रहा है। वहीं आरएसएस के मुख से नेहरू-गांधी परिवार की कुचक्री नीतियों के लिए। शायद यही कारण है कि जब भागवत कहते हैं कि हिंदू राष्ट्र का सत्ता से कोई संबंध नहीं है तो यह संदेश जाता है कि संघ का उद्देश्य किसी पर वर्चस्व थोपना नहीं है, बल्कि यह अवधारणा सबको साथ लेकर चलने वाली सांस्कृतिक पहचान की है। यहां पर समझने वाला आवश्यक तथ्य यह है कि आखिर संघ यह बात बार-बार क्यों दुहरा रहा है? क्या वो भाजपा के स्थायी शासन के लिए अल्पसंख्यकों को रिझाना चहता है? या फिर यह कहीं बीजेपी को अगले विधानसभा चुनावों के लिए इशारा तो नहीं है, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी इस वर्ष बिहार और अगले वर्ष पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में डेमोग्रेफी चेंज और मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर अल्पसंख्यकों पर लगातार जुबानी हमले कर रही है। ऐसे में हो सकता है कि संघ यह चाहता हो कि बीजेपी को अपने रुख में थोड़ी नरमी लानी चाहिए!

वहीं, भागवत का बयान भाजपा को अप्रत्यक्ष रूप से यह याद दिलाता है कि संघ की दृष्टि सत्ता से आगे की है। भाजपा हिंदू राष्ट्र को राजनीतिक नारे के रूप में इस्तेमाल सत्ता हासिल करने के लिए कर सकती है। लेकिन भागवत का यह बयान केवल वैचारिक नहीं बल्कि जमीनी राजनीति से भी जुड़ा हो सकता है। क्योंकि बार-बार यह सवाल उठ रहा है कि देश में बेरोजगारी, किसान संकट जैसे मुद्दे हिंदू-मुसलमान की राजनीति के चलते गौण हो गए हैं। लिहाजा, संघ शायद यह संदेश देना चाहता है कि हिंदू राष्ट्र का अर्थ इन समस्याओं से मुंह मोड़ना नहीं बल्कि इन्हें समाज-आधारित समाधान देना है।

टमाटर लदा माल वाहक पलटा, हाईवे जाम

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। अजुहा कस्बे में ससुर खदेरी नदी के समीप रविवार सुबह ओवरटेक करते वक्त टमाटर लदा मालवाहक अनियंत्रित होकर पलट गया। गनीमत ये रही कि चालक समेत दो लोग बाल-बाल बच गए। कानपुर-प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग के एक लेन पर करीब आधे घंटे तक जाम लगा रहा। इससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। कड़ा धाम थाना क्षेत्र के गिरधरपुर गढ़ी निवासी सरवर अली पुत्र असगर अली टमाटर व्यवसायी हैं। वह रविवार की सुबह सैनी सब्जी मंडी से माल वाहक (लोडर) पर करीब 45 कैरेट टमाटर लादकर चालक शिवबाबू के साथ फतेहपुर के खागा जा रहे थे। अजुहा में ससुर खदेरी नदी के समीप एक ट्रक ने माल वाहक को ओवरटेक किया।

इसी दौरान माल वाहक अनियंत्रित होकर हाईवे पर पलट गया। उसमें लदा टमाटर सड़क पर बिखर गया। सब्जी व्यापारी ने बताया कि लगभग 15 हजार रुपये कीमत का टमाटर नष्ट हो गया है। किसी को भी चोट नहीं आई है। दुर्घटना की जानकारी मिलने के बाद पहुंची पुलिस ने माल वाहक को किनारे कराकर जाम समाप्त कराया। इससे पहले हाईवे की एक लेन पर जाम के कारण राहगीरों के दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

हत्या के प्रयास में दो आरोपी गिरफ्तार

कौशाम्बी। रामपुर मड़ूकी फैजीपुर निवासी भान सिंह ने एक जुलाई को स्थानीय कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया था। इसमें बताया था कि उस रात वह अपने साथी के साथ दूसरे मकान में सोने जा रहे थे। इस दौरान गांव के ही गंगा सागर उर्फ रवींद्र व मोहनलाल ने जानलेवा हमला कर दिया था। मामले के हत्या का प्रयास किए जाने की धारा में मुकदमा कायम हुआ था। कोतवाल सुनील सिंह ने बताया कि रविवार सुबह दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनका चालान कर दिया गया।

सीआरबी ने काम की धीमी रफ्तार पर उठाए सवाल

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। चेयरमैन रेलवे बोर्ड (सीआरबी) सतीश कुमार ने रविवार को प्रयागराज जंक्शन का निरीक्षण करते हुए पुनर्विकास कार्यों की धीमी गति पर गंभीर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि काम शुरू हुए दो साल से ज्यादा हो गए हैं, लेकिन प्रगति संतोषजनक नहीं है। सीआरबी ने कार्यदायी संस्था और रेलवे अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि परियोजना को गुणवत्ता के साथ तय समय सीमा में पूरा किया जाए। निरीक्षण के दौरान सतीश कुमार ने फुट ओवर ब्रिज से सिविल लाइंस साइड निर्माणाधीन स्टेशन बिल्डिंग का दौरा किया। उन्होंने मौके पर मौजूद इंजीनियरों और अधिकारियों से कहा, 'इस रफ्तार से काम चला तो परियोजना में भारी देरी हो जाएगी।

अगर काम के लिए ब्लॉक की जरूरत है, तो उसे चरणबद्ध तरीके से लिया जाए ताकि ट्रेन संचालन प्रभावित न हो। सीआरबी ने माघ मेले की तैयारियों पर भी फोकस किया। उन्होंने अफसरों को चेतावनी दी कि महाकुंभ 2025 के बाद 2026 की शुरुआत में होने वाले माघ मेले में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचेंगे। ऐसे में अभी से इंफ्रास्ट्रक्चर, यात्री सुविधाएं और स्पेशल ट्रेनों की योजना तैयार कर ली जाए। निरीक्षण के दौरान एसडीजीएम हिमांशु बडौनी, डीआरएम रजनीश अग्रवाल, सीनियर डीसीएम हिमांशु शुक्ला, स्टेशन निदेशक वी.के. द्विवेदी और स्टेशन मैनेजर दिलीप ठाकुर मौजूद रहे।

सीआरपीएफ जवानों को साइबर ठगी के प्रति किया सतर्क

प्रयागराज। साइबर अपराध की रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। साइबर पुलिस ने रविवार को मुंडेरा मंडी स्थित सीआरपीएफ कैंप कार्यालय में जागरूकता कार्यशाला का आयोजना किया। जवानों को साइबर ठगी से सतर्क रहने और यूपीआई के इस्तेमाल के प्रति सतर्कता रखने की सलाह दी गई। साइबर क्राइम थाना के उपनिरीक्षक चंद्रशेखर यादव ने साइबर अपराध के प्रकार और सोशल मीडिया के जरिए होने वाली साइबर ठगी के बारे में जानकारी दी। हेड कांस्टेबल गणेश प्रसाद गोंड ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर वित्तीय लेनदेन और यूपीआई के प्रयोग पर बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में बताया। वहीं कांस्टेबल रणवीर सिंह सेंगर ने साइबर ठगी होने पर तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1930 अथवा वेबसाइट म्बैंम्स.ुदन.ग्ह पर शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी।

इस मौके पर सीआरपीएफ डिप्टी कमांडेंट अरुण कुमार सिंह, सहायक कमांडेंट यशवीर सिंह व राजीव थापा समेत अन्य जवान मौजूद रहे।

मदरसे में छात्रा की पिटाई, शिकायत लेकर पहुंची बहन से भी मारपीट

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। नैनी कोतवाली क्षेत्र के भडरा इलाके में स्थित एक मदरसे में पढ़ने वाली छात्रा को पीटने का वहां के मौलवी पर आरोप लगा है। आरोप है कि इस बात की शिकायत करने पहुंची छात्रा की बहन के साथ भी अभद्रता और मारपीट की गई। पीड़िता की तहरीर पर नैनी पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। गढ़ी कला की रहने वाली शबनम ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया है कि उनकी बहन भडरा स्थित मदरसे में पढ़ती है। उसे वहां के मौलवी हफिज वसीम अहमद मारते थे। छात्रा ने इसकी शिकायत शबनम से की।

जिस पर शबनम ने मदरसा जाकर मौलवी से शिकायत की। आरोप है कि शिकायत करने पर उसके साथ भी गालीगलौच और मारपीट की है। शबनम की तहरीर पर मौलवी और मदरसे की दो महिला कर्मचारियों के खिलाफ नैनी पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की है।

मनौरी बाजार में बुखार से खलबली, दर्जनों लोग बीमार

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। बदलते मौसम में वायरल बुखार के अलावा अन्य बीमारियां अपना पैर पसारने लगी हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चायल के महमूदपुर मनौरी बाजार में वायरल बुखार की चपेट में आने से दर्जनों लोग बीमार हो गए। बुखार की सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग में खलबली मच गई। विकास खंड चायल के महमूदपुर मनौरी बाजार में वायरल बुखार ने अपने पांव पसार रखे हैं। वायरल बुखार से कई लोग बीमार हैं। चरवा रोड की प्रिया पुत्री रामबाबू केसरवानी, आयुष केसरवानी पुत्र राजेश केसरवानी, प्रतिभा देवी पत्नी ननका केसरवानी तीनों लोग एक सप्ताह से बुखार से पीड़ित हैं। ये सभी प्रयागराज के निजी अस्पताल में भर्ती थे।

हालात ज्यादा खराब होने पर परिजनों ने उन्हें लखनऊ के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं, आस्था पुत्री पंकज केसरवानी, रिंकू केसरवानी पुत्र ओम प्रकाश केसरवानी का इलाज प्रयागराज के निजी अस्पताल में कराया जा रहा है। बाजारवासियों का कहना है कि गंदगी व जलभराव के कारण बुखार जैसी बीमारी का प्रकोप है। स्वास्थ्य विभाग की तरफ से

कीटनाशक दवाओं का छिड़काव एक बार भी नहीं कराया गया है। जिसके कारण कई लोग बीमारी के चपेट में आकर जिंदगी मौत से लड़ रहे है। बाजार की हालत अब यह हो गई है कि बुखार से हर घर में कोई न कोई बीमार है। मरीजों ने बताया कि बुखार से बदन में दर्द रहता है। कमजोरी भी महसूस होने लगी है। जांच में प्लेटलेट्स व खून की कमी की शिकायत हो रही है। लंबे समय से बुखार से पीड़ित मरीजों को कमजोरी से चलने फिरने में परेशानी होने लगी है। वहीं, एमओआईसी चायल संजय कुमार का कहना है कि एक सप्ताह पहले मनौरी बाजार में शिविर लगवाया गया था। दवाएं बांटी गई थीं। इसके अलावा जांचें भी कराई गई थीं। स्वास्थ्य टीम को पुनः भेजकर जांच कराई जाएगी।

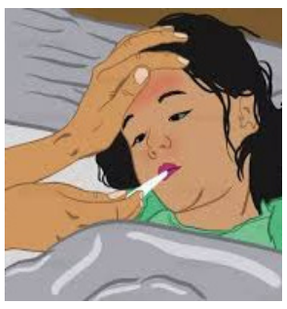

शासन की गाइड लाइन के मुताबिक मनाएं त्योहार

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। कड़ा धाम थाने में रविवार को पीस कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान सिराथू सर्किल के डीएसपी सत्येंद्र तिवारी व थानाध्यक्ष धीरेंद्र सिंह ने कहा कि गणेशोत्सव व ईद मिलादुन्नबी का पर्व शासन की गाइड लाइन के हिसाब से ही मनाएं। कहीं पर कोई दिक्कत आती है तो इसकी जानकारी पुलिस को दी जाए। पुलिस सभी समस्याओं का समाधान करेगी। किसी ने भी कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने का प्रयास किया तो उसकी खैर नहीं होगी।

साइकिल रैली में शामिल हुए जवान और बच्चे

मंत्र भारत संवाददाता

फाफामऊ। सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर पड़िला में खेल दिवस के उपलक्ष्य में तीन दिनी खेलकूद प्रतियोगिता हुई। मुख्य अतिथि सीआरपीएफ के डीआईजी धीरज कुमार ने पहले दिन जवानों और अधिकारियों को शपथ दिलाई। दूसरे दिन कमांडेंट उदय प्रताप सिंह काल वॉक का आयोजन किया। इसके बाद समूह केंद्र प्रशासन कंपनी और मुख्यालय कंपनी के बीच रस्साकसी का मुकाबला हुआ जिसमें प्रशासन कंपनी दो अंक से विजयी हुई जबकि मुख्यालय कंपनी खाता भी नहीं खोल पाई। जीसी प्रयागराज और 91 बटालियन आरएएफ के बीच हुए वॉलीबाल मैच में जीसी प्रयागराज की टीम विजेता बनी।

रविवार को साइकिल रैली निकाली जिसमें जवानों और अधिकारियों के साथ उनके बच्चे भी शामिल हुए।

इस अवसर पर पुलिस उप महानिरीक्षक रेंज सुनीत कुमार राय, द्वितीय कमान अधिकारी अशोक कुमार, तरुण कुमार, उप कमानडेंट केके झा, धनजय कुमार सहायक कमाडेंट अविनाश राय, शैलेष सिंह, सहित बड़ी संख्या में अधिकारी और जवान उनके परिजन शामिल रहे।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का किया गया निरीक्षण दिए निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। भदोही नगरीय प्रा0स्वा0केन्द्र, नई बाजार नगरीय प्रा0स्वा0केन्द्र, नई बाजार में आयोजित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला का मुख्य चिकित्सा अधिकारी भदोही डॉक्टर संतोष कुमार चक द्वारा निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के दौरान उक्त केन्द्र पर डा0आर0बी0 पाठक उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी/ब्लाक नोडल अधिकारी, श्री देश राज कुशवाहा मण्डल मिर्जापुर से तथा श्री प्रदीप कुमार अर्बन कॉआडिनेटर मौजूद थे। श्रीमती हेमलता पाल ए0एन0एम0 का 07 दिवस का वेतन बाधित किया गया। तथा श्रीमती सरिता देवी को निर्देशित किया गया कि 247 प्रसव कराने हेतु निर्देशित किया गया।

पशु तस्करी में लिप्त वाहन मालिक सहित इनामिया अभियुक्त गिरफ्तार

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा जनपद में पशु तस्करी पर पूर्णतः विराम लगाने के निर्देश के क्रम में श्री शुभम अग्रवाल, अपर पुलिस अधीक्षक भदोही के पर्यवेक्षण में जनपदीय पुलिस द्वारा लगातार पशु तस्करों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। एक नफर अभियुक्त थाना दुर्गागंज जनपद भदोही से मु0अ0सं0 89/25 धारा 3/5ए/8 गोवध निवारण अधिनियम व 11 पशु क्रुरता अधिनियम से सम्बन्धित पशु तस्करी में लिप्त वाहन मालिक ?10, 000/- इनामिया अभियुक्त उमेश कुमार गौतम पुत्र सभाजीत गौतम निवासी ग्राम बहुता चकडाही थाना सुरियांव जनपद भदोही उम्र करीब 32 वर्ष को कुढ़वा नहर पुलिया बहद ग्राम कुढ़वा से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई है।

पूर्व में दिनांक-25.07.2025 को थाना दुर्गागंज पुलिस टीम द्वारा संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु व वाहनों की चेकिंग के दौरान मुखबीर सूचना के कुल-02 शातिर पशु तस्करों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। पशु व वाहन को कब्जे लेते हुए 05 पशु तस्करों के विरुद्ध मु0अ0सं0-

के आधार पर बीरापुर नहर पुलिया के पास से पिकअप वाहन में क्रूरतापूर्वक वध हेतु जनपद भदोही से बिहार के रास्ते बंगाल जा रहे थे कि 01 राशि गौवंश (गाय) के साथ पशु-तस्करी में लिप्त गिरोह 89/2025 धारा 3/5ै/8 गोवध निवारण अधिनियम व 11 पशु क्रूरता निवारण अधिनियम का अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही किया गया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त का अन्य आपराधिक घटनाओं के बारे जानकारी की जा रही है।

पूछताछ में अभियुक्त द्वारा बताया गया कि हम लोगों का गौ-तस्करी करने का एक संगठित गिरोह है जिसमें संजय यादव पुत्र मुंकुन्द लाल यादव निवासी ग्राम बरेठी थाना बरसठी जनपद जौनपुर व भोला यादव पुत्र बछू यादव निवासी लसार थाना हण्डिया जनपद प्रयागराज मोटरसाइकिल से आगे- आगे रेकी करते है। मेरे द्वारा पिकअप वाहन को गौकशी में प्रयुक्त किए जाने हेतु दी गई है। हम अपने पिकअप वाहन में पशु को लदवाकर वध करने हेतु बिहार, बंगाल ले जाकर ऊँचे दामो मे बेच देते है जिससे हम लोगों को काफी फायदा होता है जो धन प्राप्त होता है उसे आपस मे हम लोग बाँट लेते है और अपने परिवार का पालन पोषण करते है।

जनपद में नियुक्त 2 पुलिसकर्मी अधिवर्षता आयु पूर्ण कर हुए सेवानिवृत्तव 01 पुलिसकर्मी का हुआ गैर जनपद स्थानांतरण

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जनपद भदोही में नियुक्त 01 उप निरीक्षक व 01 मुख्य आरक्षी कर्मचारी सहित कुल-02 पुलिसकर्मी अपनी सम्पूर्ण सेवाकाल के दौरान पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं लगन से कार्य करते हुए अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत हुए। एवं 01 सहायक पुलिस उपनिरीक्षक का जनपद भदोही में कार्यकाल पूर्ण होने के अवसर पर, पुलिस सेवा से सेवानिवृत्त व स्थानांतरित हुए पुलिसकर्मियों की पुलिस लाईन ज्ञानपुर में विदाई समारोह आयोजित किया गया। विदाई समारोह में अभिमन्यु मांगलिकपुलिस अधीक्षक भदोही व शुभम अग्रवाल अपर पुलिस अधीक्षक भदोही एवं राजीव कुमार सिंहपुलिस उपाधीक्षक द्वारा सेवानिवृत पुलिसकर्मियों व स्थानांतरित पुलिसकर्मी को उपहार, स्मृति चिन्ह देकर उनके आगामी सुखमय व समृद्ध जीवन की शुभकामनाओं सहित विदा किया गया।

सरकारी हैंडपंपों में समरसेबल न लगाने संबंधी चेतावनी

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जन सामान्य को सम्यक पेयजल सुविधा उपलब्ध कराए जाने हेतु हैंड पंपों की स्थापना की गई है, परंतु यह तथ्य संज्ञान में आया है कि कुछ लोग सरकारी हैंड पंप में निजी समरसेबल डालकर जन सामान्य के उपयोग को बाधित कर रहे हैं। जनपद भदोही के समस्त नागरिकों को सूचित किया जाता है कि जिन लोगों ने सरकारी हैंडपंपों में निजी समरसेबल पंप लगाए हैं वे तत्काल सरकारी हैंड पंप से अपने निजी समरसेबल पंप हटा ले क्यों कि यह कार्य पूर्णतः अवैध, दंडनीय एवं शासन की नियमावली के विपरीत है।

सरकारी हैंडपंप सामुदायिक संसाधन हैं, जिनका उपयोग प्रत्येक नागरिक को समान रूप से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया गया है। इसमें निजी समरसेबल पंप लगाए जाने से न केवल अन्य उपभोक्ताओं के जलापूर्ति अधिकार प्रभावित होते हैं, बल्कि भूगर्भीय जल स्तर पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि-किसी भी परिस्थिति में सरकारी हैंडपंप में निजी समरसेबल पंप न लगाया जाए। यदि कहीं ऐसा पाया जाता है तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी एवं प्रशासनिक कार्यवाही की जाएगी।

ग्राम प्रधानों एवं पंचायत सचिवों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने ग्राम क्षेत्रों में इस प्रकार की गतिविधियों पर निगरानी रखें तथा जहां इस तरह की स्थिति पाई है जाती है तत्काल आवश्यक कार्यवाही करें।

आमजन से भी अपील है कि यदि उनके संज्ञान में कहीं भी इस प्रकार की गतिविधि हो रही हो तो वे संबंधित विकास खण्ड कार्यालय या मुख्य विकास अधिकारी कार्यालय को तत्काल सूचित करें।

जनहित में सभी नागरिकों से अपील है कि सरकारी हैंडपंपों की मूल व्यवस्था को सुरक्षित बनाए रखें तथा सामुदायिक जल संसाधन का संरक्षण करें।

विशाल साइकिल यात्रा का आयोजन कलेक्ट्रेट परिसर से शुरू

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग जनपद भदोही द्वारा मेजर ध्यानचंद के जन्म के अवसर पर एक विशाल साइकिल यात्रा का आयोजन किया गया जो कलेक्ट्रेट परिसर ज्ञानपुर से शुरू हुआ।

इसमें शामिल अपर जिलाधिकारी कुंवर वीरेंद्र सिंह मौर्य ने कहा की शरीर को स्वस्थ रखने के लिए योग व्यायाम करते हैं और पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए वृक्ष लगाते हैं। सभी लोग आसपास के काम साइकिल से या पैदल करें और अधिक से अधिक वृक्ष लगाए। ऐसे हमारा शरीर भी स्वस्थ रहेगा और पर्यावरण भी स्वच्छ रहेगा।

मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ला ने कहा कि शरीर हमारा अनमोल धन है। सभी को सूर्योदय से पहले उठकर योग व्यायाम कोई खेलकूद अवश्य करना चाहिए।

अपर जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर साइकिल रैली को रवाना किया और साथ ही साथ साइकिल लेकर रैली में शामिल हुए।

साइकिल यात्रा मे पार्टी रक्षक दल के जवान, मंगल दल के पदाधिकारी एवं सदस्य तथा विभूति नारायण इंटर कॉलेज के छात्राओं एवं पंचायत राज विभाग के कर्मचारी आदि शामिल रहे। उक्त अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी जिला विकास अधिकारी जिला पंचायत राज्य अधिकारी बीएसए जिला युवा कल्याण अधिकारी जनपद के समस्त क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी तथा व्यायाम प्रशिक्षक उपस्थित रहकर रैली को सकुशल संपन्न कराया गया।

उक्त रैली में विशेष योगदान भदोही साइकलिंग क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष अताउल अंसारी का रहा तथा उन्ही के नेतृत्व में नारा लगाते हुए उपस्थित लोग साइकिल यात्रा को सफल बनाते हुए स्वस्थ रहे मस्त रहे, करो योग रहो निरोग, हम सबने ये ठाना है पुरे भदोही को स्वस्थ बनाना है, सुबह की हवा सौ रोगों की दवा, वृक्ष लगाओ पर्यावरण बचाओ, वृक्षों की जब करोगे रक्षा, तभी बनेगा जीवन अच्छा, हिंदुस्तान जिंदाबाद, भारत माता की जय, वन्दे मातरम नारा लगाते हुए जनपद वासियों को स्वस्थ एवं फिट रहने का संदेश दिया।

साइकिल रैली आरंभ होकर केशवपुर सरपतहां, ज्ञानपुर देहात, दुर्गागंज त्रिमुहानी, ज्ञानपुर नगर का भ्रमण करते हुए पुलिस लाइन ज्ञानपुर मे इसका समापन हुआ।

स्कूल से छुट्टी, सोशल मीडिया पर ड्यूटी

रील बनाना पड़ा भारी, बिना सूचना के 75 दिन से गायब शिक्षिका सस्पेंड

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश में अलीगढ़ जिले के महुआखेड़ा स्थित एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिका चैताली वार्ष्णेय पिछले 75 दिनों से स्कूल नहीं आ रहीं थीं। उन्होंने ना तो स्कूल को कोई सूचना दी और ना ही शिक्षा विभाग द्वारा भेजे गए नोटिसों का कोई जवाब दिया। वहीं, इस दौरान वह सोशल मीडिया पर पूरी तरह एक्टिव पाई गईं, जहां वह रील और पारिवारिक फोटो शेयर करती रहीं। इस लापरवाही पर कार्रवाई करते हुए बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. राकेश सिंह ने शिक्षिका को 29 अगस्त को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। साथ ही उनसे लिखित रूप में जवाब मांगा गया है कि वे इतने दिन तक बिना बताए क्यों गायब रहीं।

चैताली वार्ष्णेय आखिरी बार 15 जून को स्कूल आई थीं। इसके बाद से वे बिना सूचना के स्कूल नहीं आईं। शिक्षा विभाग ने उन्हें कई बार पत्र भेजकर संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। जब अधिकारियों ने जांच की, तो पता चला कि चैताली सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और रील्स बना रही हैं। इसके बाद बीईओ की रिपोर्ट के आधार पर निलंबन की कार्रवाई की गई।

चैताली ने हाल ही में 6 दिन पहले अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर परिवार के साथ एक तस्वीर भी पोस्ट की थी। यह देखकर विभाग ने माना कि शिक्षिका जानबूझकर ड्यूटी से दूर हैं।

चैताली के पति नूतन प्रकाश ने विभाग की कार्रवाई पर प्रतिक्रिया दी है। उनका कहना है कि चैताली बीमार चल रही हैं। उनका मेडिकल सर्टिफिकेट विभाग के पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है। वे अधिकारी से मिलकर अपनी बात रखेंगे और स्थिति स्पष्ट करेंगे।

बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. राकेश सिंह ने बताया कि चैताली वार्ष्णेय को लगातार अनुपस्थित रहने और नोटिस का जवाब न देने पर 29 अगस्त को सस्पेंड किया गया। उनसे लिखित जवाब मांगा गया है, जिसे उन्हें जल्द ही देना होगा। मामले की विस्तृत जांच करवाई जा रही है।

गले पर गहरे निशान-दुष्कर्म की आशंका

प्रदेश के झांसी में महिला का घर के अंदर अर्धनग्न अवस्था में मिला शव, गांव में दहशत का माहौल

लखनऊ **(एजेंसी)**। जिले के मऊरानीपुर थाना क्षेत्र के बरौरी गांव में शुक्रवार सुबह एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। गांव की रहने वाली 42 वर्षीय ऊषा रैकवार का शव उसके घर के अंदर अर्धनग्न अवस्था में पाया गया। गले पर गहरे निशान और बिखरे कपड़े इस घटना को एक बर्बर अपराध की ओर इशारा कर रहे हैं।

परिवार और ग्रामीणों के अनुसार, महिला अकेली रहती थी, क्योंकि उसका पति और दोनों बेटे काम के सिलसिले में बाहर हैं। शुक्रवार सुबह जब काम पर जाने वाले मजदूरों और पड़ोसियों ने ऊषा को आवाज दी और कोई उत्तर नहीं मिला, तो संदेह हुआ। दरवाजा बंद देख, परिजनों को सूचना दी गई। महिला का भतीजा जब दीवार फांदकर अंदर पहुंचा, तो देखा कि

ऊषा मृत पड़ी थी। गला दबाकर हत्या की आशंका जताई जा रही है। परिजन आरोप लगा रहे हैं कि पहले महिला के साथ दुष्कर्म किया गया, फिर उसकी हत्या कर दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही मऊरानीपुर पुलिस, सीओ और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई और छानबीन शुरू कर दी।

गांव में इस वीभत्स घटना से सनसनी फैल गई है। महिला के शांत स्वभाव और किसी से विवाद न होने की बात कहकर ग्रामीण भी सदमे में हैं। भारी संख्या में लोग महिला के घर के बाहर जमा हो गए हैं। परिजनों की मांग है कि आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार कर सख्त सजा दी जाए। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। मृतका के मोबाइल रिकॉर्ड, घर के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज और संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है, जिसकी रिपोर्ट से मौत की असली वजह स्पष्ट होगी।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह बेहद गंभीर अपराध है और जल्द ही पूरे मामले का पर्दाफाश किया जाएगा। कई लोगों से पूछताछ जारी है और कुछ संदिग्धों को चिन्हित किया गया है। फिलहाल, गांव में पुलिस की तैनाती बढ़ा दी गई है ताकि माहौल शांत रहे।

सीएम योगी ने प्रदेशवासियों को दी 'राधा अष्टमी' की बधाई

कहा- श्री राधा रानी जी की कृपा का संचार सभी के जीवन में हो

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई प्रमुख नेताओं ने रविवार को प्रदेशवासियों को 'राधा अष्टमी' पर्व की बधाई दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने आधिकारिक 'एक्स' खाते पर एक पोस्ट में कहा, 'पावन पर्व 'राधा अष्टमी' की सभी श्रद्धालुओं एवं प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई! निष्काम प्रेम, करुणा व भक्ति की साक्षात स्वरूप श्री राधा रानी जी की कृपा से सभी के जीवन में सुख, शांति व समृद्धि का संचार हो, यही प्रार्थना है। जय श्री राधे!'

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 'एक्स' पर अपनी पोस्ट में कहा, 'पावन पर्व राधा अष्टमी की सभी श्रद्धालुओं एवं प्रदेशवासियों को अनंत शुभकामनाएं!' मौर्य ने कहा, 'प्रेम, भक्ति और करुणा की अविनाशी ज्योति श्री राधारानी जी के चरणों में कोटि कोटि नमन। उनकी कृपा से हम सभी के जीवन में शांति, सुख एवं समृद्धि का प्रवाह बना रहे। जय श्री राधे!'

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, 'आप सभी को पावन पर्व राधा अष्टमी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।' अधिकारियों के अनुसार मथुरा बरसाना स्थित श्री राधारानी मंदिर में 30 अगस्त से शुरू हुए इस दो दिवसीय उत्सव में 15 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। पर्व का मुख्य आयोजन आज सुबह से ही शुरू हो गया है।

प्रसिद्ध कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा का मकान जमींदोज, सेकंड भर में भरभराकर गिरी इमारत

सीहोर **(एजेंसी)**। मध्य प्रदेश के प्रसिद्ध कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा का सीहोर स्थित मकान रविवार को अचानक ढह गया। यह मकान लंबे समय से जर्जर हालत में था और खाली पड़ा हुआ था। गनीमत रही कि इमारत में कोई मौजूद नहीं था, इसलिए कोई जनहानि नहीं हुई। जानकारी के अनुसार, सीहोर के नमक चौराहा इलाके में पंडित प्रदीप मिश्रा का यह पुराना मकान स्थित है। रविवार को इसका एक हिस्सा भरभराकर गिर पड़ा और पूरी तरह जमींदोज हो गया। सीहोर कलेक्टर बालगुरु ने बारिश के पहले जिले में जर्जर भवनों की पहचान कर उनके मालिकों को नोटिस देने के निर्देश जारी किए थे। इसी क्रम में नगर पालिका ने प्रदीप मिश्रा के मकान को भी असुरक्षित घोषित कर दिया था। अतिक्रमण प्रभारी तिलक खाती ने बताया कि मकान को नोटिस देकर पहले ही खाली करा लिया गया था।

कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा मूल रूप से सीहोर के ही रहने वाले हैं। शहर के नमक चौराहा क्षेत्र में उनका यह पैतृक मकान था, जो लंबे समय से खाली पड़ा हुआ था। रविवार को यह जर्जर इमारत गिरने से इलाके में अफरा-तफरी का माहौल जरूर बना, लेकिन कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ।

कानपुर देहात में 3 युवकों की जहरीली गैस के कारण मौत, सीवर टैंक की सफाई करने गए थे तीनों

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के कानपुर देहात के जिले के अकबरपुर क्षेत्र में एक नवनिर्मित सीवर टैंक में जहरीली गैस के प्रभाव से तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक की हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

कानपुर देहात जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अरविंद मिश्रा ने पुष्टि की कि नवनिर्मित सीवर टैंक में जहरीली गैस के कारण तीन लोगों की मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि एक अन्य व्यक्ति का उपचार किया जा रहा है और घटना की जांच जारी है। अकबरपुर थाना प्रभारी सतीश सिंह ने बताया कि यह घटना उस समय हुई जब बिगाही गांव निवासी मजदूर मुबीन (26) शटरिंग हटाने के लिए करीब 10 फुट गहरे सीवर टैंक में उतरा, लेकिन जहरीली गैस के प्रभाव से उसका दम घुट गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। प्रभारी ने बताया कि मुबीन की हालत बिगड़ती देख मकान मालिक सुरेंद्र गुप्ता उर्फ अमन (22) और साथी मजदूर सर्वेश कुशवाहा (32) उसे बचाने के लिए टैंक में उतरे, लेकिन वे भी जहरीली गैस के प्रभाव में आ गए और उनकी भी मौत हो गई।

मुबीन का भाई इसरार (22) भी उन्हें बचाने के लिए टैंक में कूद गया, लेकिन वह भी बाहर नहीं निकल सका। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और चारों को बाहर निकालकर जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मुबीन, सुरेंद्र और सर्वेश को मृत घोषित कर दिया। इसरार की हालत गंभीर है और उसका इलाज जारी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सभी लोग बिना किसी सुरक्षा उपकरण के टैंक में उतरे थे।

शाह पर 'सिर काटने' वाले बयान पर महुआ मोइत्रा फंसीं, छत्तीसगढ़ में एफआईआर दर्ज

रायपुर **(एजेंसी)**। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ 'आपत्तिजनक' टिप्पणी की थी। इसी सिलसिले में अब उनके खिलाफ छत्तीसगढ़ के रायपुर में एक एफआईआर दर्ज की गई है। यहां एक स्थानीय निवासी ने मोइत्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। पीटीआई ने एक अधिकारी के हवाले से बताया कि धारा 196 (धर्म, जाति, जन्म स्थान, निवास, भाषा आदि के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना) और 197 (राष्ट्रीय एकता को नुकसान पहुंचाने वाले आरोप) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद समेत कई भाजपा नेताओं ने मोइत्रा की टिप्पणी की निंदा की है। उन्होंने तृणमूल नेता के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की है।

महुआ मोइत्रा ने कथित तौर पर कहा था कि भारत में अवैध बांग्लादेशियों की घुसपैठ को रोकने में विफल रहने के लिए अमित शाह का 'सिर काट' देना चाहिए। उन्होंने यह कथित बयान गुरुवार को पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में एक कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से बात करते हुए दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद भाजपा ने मोइत्रा की कड़ी आलोचना की थी।

ओडिशा में ईडी का बड़ा एक्शन : करोड़ों के बैंक घोटाले में जब्त हुईं 10 से ज्यादा लग्जरी गाड़ियां

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 1, 396 करोड़ रुपये की कथित बैंक धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन मामले में ओडिशा के एक व्यवसायी और उसकी कंपनियों के खिलाफ छापेमारी के बाद एक पोर्श, एक मर्सिडीज, एक मिनी कूपर और एक बीएमडब्ल्यू समेत 10 से अधिक लग्जरी वाहन जब्त किए हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को ओडिशा के भुवनेश्वर में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया और देश के सबसे बड़े बैंक धोखाधड़ी मामलों में से एक से जुड़ी चल रही मनी लॉन्ड्रिंग जाँच के सिलसिले में करोड़ों रुपये की लग्जरी कारें, आभूषण और नकदी जब्त की।

छापेमारी के दौरान, एजेंसी ने 7 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की 10 लग्जरी कारें और 3 सुपरबाइक जब्त कीं, जिनमें एक पोर्श कायेन, मर्सिडीज-बेंज जीएलसी, बीएमडब्ल्यू एक्स7, ऑडी ए3, मिनी कूपर और एक होंडा गोल्ड विंग मोटरसाइकिल शामिल हैं। ईडी ने 1.12 करोड़ रुपये के आभूषण, 13 लाख रुपये नकद, अचल संपत्तियों से संबंधित

आपत्तिजनक दस्तावेज भी बरामद किए और डैश के दो लॉकर भी जब्त कर लिए। अनमोल माइंस प्राइवेट लिमिटेड (एएमपीएल) व अनमोल रिसोर्सेज प्राइवेट लिमिटेड (एआरपीएल) और उनके प्रबंध निदेशक (एमडी) शक्ति रंजन दाश के भुवनेश्वर में स्थित परिसरों पर शनिवार को छापेमारी की गई।

हिमाचल प्रदेश में स्थित इंडियन टेक्नोमैक कंपनी लिमिटेड (आईटीसीओएल) नामक कंपनी के खिलाफ दर्ज कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में यह कार्रवाई की गई। धन शोधन का यह मामला आईटीसीओएल और उसके प्रवर्तकों के खिलाफ हिमाचल प्रदेश पुलिस सीआईडी द्वारा दर्ज की गई एक प्राथमिकी से संबंधित है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि कंपनी के निदेशकों ने विभिन्न कंपनियों के कर्मचारियों और चार्टर्ड एकाउंटेंट्स के साथ मिलकर बैंकों के एक संघ से लिए गए ऋणों की हेराफेरी की।

ईडी के अनुसार आईटीसीओएल और उसकी संबंधित फर्जी कंपनी ने एएमपीएल के बैंक खातों में 59.80 करोड़ रुपये डलवाए। आरोप है कि दाश ने ओडिशा में खनन गतिविधियों के लिए इस पैसे का उपयोग करने में 'जानबूझकर' आईटीसीओएल के प्रवर्तक राकेश कुमार शर्मा की सहायता की। ईडी के बयान में कहा गया है कि तलाशी के दौरान दाश और उसके स्वामित्व वाली कंपनियों से संबंधित 10 लग्जरी वाहन और तीन सुपर बाइक जब्त की गईं।

जब्त वाहनों में एक पोर्श कायेन, एक मर्सिडीज-बेंज जीएलसी, एक बीएमडब्ल्यू एक्स7, एक ऑडी ए3, एक मिनी कूपर और एक होंडा गोल्ड विंग बाइक शामिल हैं, जिनकी कीमत सात करोड़ रुपये से अधिक है। बयान में कहा गया है कि छापेमारी के दौरान 13 लाख रुपये नकद और 1.12 करोड़ रुपये के आभूषण भी जब्त किए गए हैं, जबकि दाश के दो लॉकर से लेनदेन पर रोक लगा दी गई है।

बिहार का लाल श्रीनगर में शहीद, 3 महीने पहले हुई थी शादी, शोक में डूबा गांव

पटना **(एजेंसी)**। बिहार के सारण का आर्मी जवान श्रीनगर में शहीद हो गए। बताया जा रहा है कि 3 महीने पहले ही उनकी शादी हुई थी। वहीं अब उनकी शहादत की खबर मिलते ही पूरा गांव शोक में डूब गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

शहीद जवान छोटू शर्मा सारण के दरियापुर थाना क्षेत्र के बेला शर्मा टोला गांव के निवासी थे। मिली जानकारी के अनुसार, जवान के सिर में गोली लगी थी। सेना के अधिकारियों ने शनिवार देर शाम परिजनों को जवान छोटू के शहीद होने की सूचना दी। हालांकि, उन्होंने गोली चलने की वजह स्पष्ट नहीं बताई है। बताया जा रहा है कि शहीद जवान की शादी इसी साल 9 मई को हुई थी। परिजनों के अनुसार, शादी के अगले ही दिन छोटू शर्मा को 'ऑपरेशन सिंदूर' की खबर मिली थी, जिसके बाद वे अपनी ड्यूटी लौट गए। परिजनों ने बताया कि छोटू 4 बहनों में सबसे छोटा भाई था। पिता की मौत हो चुकी थी। छोटू 2017 में सेना में भर्ती हुए थे, जिसके बाद घर की स्थिति में सुधार हुआ था। वह अपने परिवार के एकमात्र सरकारी नौकरी वाले शख्स थे। उनकी शहादत के बाद पूरा परिवार गमगीन है।

मुख्यमंत्री मोहन बोले- राहुल गांधी को नाना-नानी के पास चले जाना चाहिए, उनको इस जगत में रहने का अधिकार नहीं

मुरैना **(एजेंसी)**। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को मुरैना दौरे के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां पर गलत बयान देते हैं। अगर उन्हें इतनी परेशानी है, तो अपने नाना-दादी और पिता के पास चले जाना चाहिए। इस जगत में रहने का उन्हें कोई हक नहीं है। दरअसल सीएम यादव मुरैना में हाइड्रोजन यूनिट के भूमिपूजन कार्यक्रम में पहुंचे थे। यहां आमसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने विपक्ष को आड़े हाथों लिया।

सीएम ने कहा कि राहुल गांधी तरह-तरह के प्रपंच रचते हैं। पहले उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल उठाए और अब चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल कर रहे हैं। यदि उन्हें शंका थी तो सर्जिकल स्ट्राइक के समय वहां चले जाना चाहिए था। बम के नीचे खड़े होकर सब पता चल जाता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की हार का सिलसिला लगातार जारी है। राहुल गांधी को भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी से सीखना चाहिए, जिन्होंने विपक्ष और मंत्रियों के साथ मिलकर लोकतंत्र की मर्यादा निभाई थी।

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि जिले में 101 हेक्टेयर का एक नया औद्योगिक पार्क बनाया जा रहा है। इसके साथ ही पिपरसेवा में 157.5 करोड़ की लागत से 500 मेगावाट का सोलर प्लांट भी 2030 तक तैयार होगा। उन्होंने कहा कि कभी मुरैना-चंबल क्षेत्र में उद्योगपति आना नहीं चाहते थे, क्योंकि कांग्रेसियों ने यहां डाकुओं को जमीन दे रखी थी। लेकिन अब समय बदल रहा है और बड़े उद्योगपति यहां निवेश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि मुरैना में करीब 300 करोड़ रुपये का निवेश हो रहा है और यहां शनि लोक भी बनाया जाएगा। भूमिपूजन के बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव शनि मंदिर के दर्शन के लिए रवाना हुए। इसके बाद वे पोरसा पहुंचकर ग्राम रजौधा में सांदीपनी स्कूल का लोकार्पण और आसमानी माता मंदिर के दर्शन करेंगे। यह मंदिर केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के पैतृक गांव में स्थित है।

धौलीगंगा पावर प्रोजेक्ट की सुरंग भूस्खलन से बंद, 19 कर्मचारी फंसे

देहरादून **(एजेंसी)**। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में धौलीगंगा पावर प्रोजेक्ट पर एक बड़ा भूस्खलन हुआ है, जिससे राष्ट्रीय जलविद्युत निगम के कम से कम 19 कर्मचारी पावर हाउस की सुरंगों में फंस गए हैं। यह घटना रविवार को हुई, जब भूस्खलन के कारण सामान्य और आपातकालीन दोनों सुरंगें अवरुद्ध हो गईं। पिथौरागढ़ की पुलिस अधीक्षक रेखा यादव ने बताया कि सुरंग का प्रवेश द्वार बड़े-बड़े पत्थरों से बंद हो गया है। फंसे हुए मजदूरों को निकालने के लिए बचाव अभियान तेजी से चल रहा है और जेसीबी मशीनों की मदद से मलबा हटाया जा रहा है।

अधिकारियों के अनुसार, फंसे हुए सभी कर्मचारी कंपनी और प्रशासन के संपर्क में हैं और उनके पास पर्याप्त भोजन सामग्री उपलब्ध है। धारचूला के उप-जिलाधिकारी जितेंद्र वर्मा ने जानकारी दी कि सीमा सड़क संगठन की जेसीबी मशीनों को भी काम में लगाया गया है और लगातार मलबा गिरने के बावजूद, शाम तक रास्ता साफ होने की उम्मीद है।

मराठा आरक्षण को लेकर जरांगे का अनशन तीसरे दिन भी जारी, असमंजस में सरकार

मुम्बई **(एजेंसी)**। महाराष्ट्र के जल संसाधन मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल ने मराठा आरक्षण की मांग को लेकर मुंबई में जारी कार्यकर्ता मनोज जरांगे के भूख हड़ताल पर चर्चा के लिए देर रात मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस से मुलाकात की। सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। विखे पाटिल मराठा समुदाय की आरक्षण की मांग और उनकी सामाजिक, शैक्षणिक व आर्थिक स्थिति से संबंधित मुद्दों पर गौर करने के लिए गठित मंत्रिमंडलीय उप-समिति के अध्यक्ष हैं।

जरांगे मराठा समुदाय के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण की मांग को लेकर शुक्रवार से दक्षिण मुंबई के आजाद मैदान में भूख हड़ताल पर हैं। वह चाहते हैं कि मराठों को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) में शामिल कृषक जाति कुनबी के रूप में मान्यता दी जाए ताकि उन्हें सरकारी नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण मिल सके।

उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश संदीप शिंदे के नेतृत्व में सरकार द्वारा नियुक्त एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को जरांगे से मुलाकात की। जरांगे ने मांग की है कि मराठवाड़ा में मराठों को कुनबी का दर्जा दिया जाए।

उन्होंने कहा है कि एक शासनादेश (जीआर) जारी किया जाए जिसमें कहा जाए कि कुनबी और मराठा एक ही हैं। न्यायमूर्ति शिंदे मराठा समुदाय के कुनबी अभिलेखों की जांच के लिए गठित एक समिति के अध्यक्ष हैं।

इस मुद्दे पर चर्चा के लिए विखे पाटिल ने शनिवार देर रात मुख्यमंत्री फडणवीस से मुलाकात की। सूत्रों के अनुसार, यह बैठक एक घंटे तक चली। इस बैठक में भाजपा के वरिष्ठ नेता गिरीश महाजन भी मौजूद थे। विखे पाटिल की अध्यक्षता वाली मंत्रिमंडलीय उप-समिति की आज फिर से बैठक होगी।

बीसीसीआई को 450 करोड़ के स्पॉन्सरशिप मिलने की उम्मीद?

ड्रीम 11 से भी ज्यादा बड़ी डील मिलने की योजना

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई ने टीम इंडिया के स्पॉन्सर के रूप में ड्रीम 11 के जाने के बाद टीम से जुड़ने वाले उम्मीदवारों के लिए नीति साफ कर दी है। ड्रीम 11 को संसद में ऑनलाइन गेमिंग बिल पारित होने के बाद अपना अनुबंध समय से पहले ही खत्म करना पड़ा। इस हालात में बोर्ड को एक मुश्किल में डाल दिया है। क्योंकि एशिया कप 2025 की शुरुआत से पहले एक स्पॉन्सर ढूंढना और पुरुष टीम की जर्सी छपवाना मुश्लि हो सकता है।

वहीं एनडीटीवी सूत्रों के अनुसार, बीसीसीआई 2025-28 की अवधि के लिए एक नए स्पॉन्सर को जोड़ने की कोशिश कर रहा है जिसकी प्रायोजन राशि लगभग 450 करोड़ रुपये होगी।

ड्रीम 11 ने बीसीसीआई के साथ तीन साल का करार किया था। इसमें ब्रांड बीसीसीआई को कॉन्ट्रैक्ट के दौरान 358 करोड़ रुपये का भुगतान करता। कॉन्ट्रैक्ट पर हस्ताक्षर की तारीख से लगभग दो साल बाद ये डील को खत्म करना पड़ा।

सूत्रों के अनुसार, बीसीसीआई अब 2025 से 2028 तक 140 मैचों के लिए एक स्पॉन्सर ढूंढने की कोशिश कर रहा है। ये करार ड्रीम 11 द्वारा बोर्ड को दी गई राशि की तुलना में बेहतर होगा। प्रायोजन घरेलू और विदेश द्विपक्षीय मैचों के साथ-साथ एशियाई क्रिकेट परिषद और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद द्वारा आयोजित बहु-टीम टूर्नामेंटों के लिए होगा।

बीसीसीआई ने द्विपक्षीय मैच के लिए 3.5 करोड़ रुपये और आईसीसी और एसीसी मैचों के लिए 1.5 करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा है। जो ड्रीम 11 से ज्यादा है लेकिन बायजू से कम है। जहां तक एशिया कप का सवाल है तो बोर्ड महाद्विपीय टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले एक शर्ट प्रायोजक पाने की कोशिश कर रहा है। समय कम होने के कारण थोड़ी देरी हो सकती है। बोर्ड को विश्वास है कि वह 30 सितंबर से शुरू होने वाले महिला वर्ल्ड कप से पहले एक नई यूनिट को सील कर लेगा।

जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा भारत : रिजर्व बैंक गवर्नर

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री जन-धन योजना को देश की वृद्धि दर बढ़ाने में मददगार करार देते हुए भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शनिवार को कहा कि देश जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाला है। उन्होंने यह बात ऐसे वक्त कही जब देश की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में उम्मीद से बेहतर 7.80 प्रतिशत रही है।

अमेरिका के भारी शुल्क लगाए जाने से पहले की पांच तिमाहियों में यह सबसे अधिक है। मल्होत्रा ने इंदौर के रंगवासा गांव में सरकारी क्षेत्र के बैंकों के वित्तीय समावेशन अभियान संतृप्ति शिविर में कहा कि 11 साल पहले केंद्र सरकार और रिजर्व बैंक ने बैंकों के साथ मिलकर प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत वित्तीय समावेशन का अभियान शुरू किया था, जिससे पूरे देश में विकास हो रहा है।

उन्होंने कहा, आज दुनिया के (सबसे) विकसित देशों में भारत की गिनती पांचवें नंबर पर हो रही है और बहुत जल्द ही भारत (इस सूची में) तीसरा (सबसे) बड़ा देश बनने वाला है।

मल्होत्रा ने कहा कि देश की विकास यात्रा में हर स्थान और तबके के लोगों को सहभागी बनाने के लिए प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत 55 करोड़ लोगों के खाते खोले गए हैं और उन्हें बचत, पेंशन, बीमा, ऋण तथा अन्य सेवाएं देनी शुरू की गईं।

रिजर्व बैंक गवर्नर ने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री जन-धन योजना से जुड़े खाताधारक 'अपने ग्राहक को जानें (केवाईसी)' प्रक्रिया के तहत अपना ब्योरा तय अवधि में अद्यतन कराएं, ताकि खाते के दुरुपयोग की आशंकाओं को समाप्त किया जा सके।

मल्होत्रा ने कहा कि आम लोग अपनी डिजिटल साक्षरता और वित्तीय जागरूकता बढ़ाएं ताकि वे बैंकिंग धोखाधड़ी से बच सकें। उन्होंने जनता से आह्वान किया कि वह डिजिटल बैंकिंग और यूपीआई का अधिक से अधिक उपयोग करे। गवर्नर ने वित्तीय समावेशन अभियान में महिलाओं की अहम भागीदारी पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि आधी आबादी देश के विकास में बड़ी भूमिका निभा रही हैं।

उन्होंने बताया कि फिलहाल देश के लगभग सभी गांवों के पांच किलोमीटर के दायरे में बैंकों की शाखाओं या 'बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट' के माध्यम से बैंकिंग सेवाएं मुहैया कराई जा रही हैं। केंद्र सरकार और रिजर्व बैंक ने बैंकों के साथ मिलकर एक जुलाई से वित्तीय समावेशन का राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया है, जो 30 सितंबर तक चलेगा।

इस अभियान में प्रधानमंत्री जन-धन योजना के नये खाते खोलना, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत लोगों के नामांकन और खाताधारकों के केवाईसी की प्रक्रिया को पूरा करने जैसी गतिविधियां शामिल हैं। कार्यक्रम में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन सीएस शेट्टी भी मौजूद थे।

राहुल द्रविड़ के बाद संजू सैमसन की होगी छुट्टी! बंट गई राजस्थान रॉयल्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स ने भले ही राहुल द्रविड़ से अचानक किनारा कर लिया हो लेकिन ये चौंकाने वाला फैसला नहीं है। इसे लेकर कुछ समय से चर्चा चल रही थी। आईपीएल 2025 में फ्रेंचाइजी के 9वें नंबर र रहने के बाद द्रविड़ का पद पर बने रहना मुश्किल था।

भारतीय टीम के टी20 वर्ल्ड कप चैंपियन बनने के बाद राहुल द्रविड़ फिर से रॉयल्स से जुड़े थे। ऐसे में टीम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। द्रविड़ की विदाई ऐसे समय पर हुई जब फ्रेंचाइजी और संजू सैमसन के बीच कुछ ठीक नहीं था। ऐसे में सवाल ये है कि क्या सैमसन भी राजस्थान रॉयल्स से विदा हो जाएंगे? ऐसी भी रिपोर्ट्स हैं कि फ्रेंचाइजी 3 धड़े में बंटी हुई है। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार राहुल द्रविड़ और रॉयल्स प्रबंधन के बीच जुलाई से ही बातचीत चल रही थी, जब लंदन में आईपीएल 2025 के प्रदर्शन की समीक्षा हो रही थी। ऐसा माना जा रहा है कि उन्हें टीम से जोड़े रखने के इच्छुक मनोज बडाले ने उन्हें एक अलग पद की पेशकश की थी। फ्रेंचाइजी ने शनिवार को अपनी विज्ञप्ति में इसका जिक्र भी किया था, लेकिन द्रविड़ ने प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया।

सैमसन अपनी चोट के अलावा आईपीएल 2025 के दौरान राजस्थान रॉयल्स के कैंप में चली रही चीजों से नाखुश थे। हालांकि, कप्तान की नाराजगी के लिए सिर्फ द्रविड़ ही जिम्मेदार नहीं हो सकते। माना जा रहा है कि द्रविड़ और सैमसन के बीच कोच और कप्तान के बीच होने वाली आम, सामान्य और नियमित असहमतियां ही थीं। ऐसा नहीं था कि दोनों का रिश्ता पूरी तरह से बिगड़ गया था।

वहीं टीम को लेकर चर्चाओं से पता चलता है कि फ्रेंचाइजी में तीन अलग-अलग विचारधाराएं चल रही थीं। एक गुट रियान पराग के पक्ष में था, जिन्होंने कुछ मैचों में टीम की कप्तानी की। दूसरे ने यशस्वी जायसवाल को भविष्य का कप्तान बताया। तीसे ने सैमसन को कप्तान बनाए रखने की वकालत की।

बीसीसीआई ने धोनी को दिया बड़ा ऑफर तो पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने धोनी पर कसा तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया इन दिनों एशिया कप 2025 की तैयारी में जुटी है। इसके बाद टीम इंडिया को अगले साल टी20 वर्ल्ड कप खेलना है। लेकिन उससे पहले कहा जा रहा है कि, बीसीसीआई ने टी20 वर्ल्ड कप के लिए पूर्व कप्तान और बल्लेबाज एमएस धोनी को टीम इंडिया का मेंटॉर बनने का ऑफर दिया है। हालांकि, बीसीसीआई की तरफ से इसे लेकर कोई भी ऑफिशियल जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि, पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने धोनी पर तंज कसा है।

तिवारी ने कहा कि, ये तो समय ही बताए, उनको ऑफर दिया है वो फोन उठाए हैं। जहां तक मुझे पता है उनसे फोन पर बात करना मुश्किल है। मैसेज की रिप्लाई भी कम ही मिलता है। बहुत सारे प्लेयर ऐसा कह चुके हैं वो अगर मैसेज पढ़ते हैं तो क्या रिप्लाई करेंगे। मैसेज पढ़ेंगे या नहीं पढ़ेंगे। उन्हें मेंटॉरशिप दी जा रही है तो वह इसे स्वीकार करते हैं या नहीं ये तो समय ही बताएगा। वह क्या इम्पैक्ट लेकर आएंगे ये बताना मुश्किल है। पूर्व क्रिकेटर ने आगे कहा कि, बतौर कप्तान और प्लेयर उनका जो अनुभव रहा है वह टीम के काम आएगा। भारतीय टीम के जो नए सितारे उभरकर आ रहे हैं कहीं न कहीं उनकी बहुत इज्जत करते हैं उनकी बात सुनेंगे। एमएस धोनी और हेड कोच गौतम गंभीर की जो जोड़ी बनेगी वह भी देखने वाली होगी।

अजुल गाने पर बढ़ा विवाद तो गुरु रंधावा ने आलोचकों के लिए शेयर किया क्रिप्टिक पोस्ट

मशहूर गायक गुरु रंधावा का हाल ही में रिलीज हुआ गाना 'अजुल' विवादों में घिर गया है। जहां एक तरफ यह गाना लोगों के बीच लोकप्रिय हो रहा है, वहीं दूसरी ओर कुछ लोग इस पर सवाल उठा रहे हैं। उनका मानना है कि गाने में स्कूली छात्राओं को अनुचित तरीके से दिखाया गया है।

इस गाने के म्यूजिक वीडियो में गुरु रंधावा एक फ़ोटोग्राफ़ी शिक्षक की भूमिका में हैं, जो एक लड़कियों के स्कूल में तस्वीरें लेने जाते हैं। वीडियो में छात्रा की भूमिका निभा रही अभिनेत्री अंशिका पांडे एक डांस सीक्वेंस करती हैं, जिससे गुरु का किरदार मंत्रमुग्ध हो जाता है। आलोचकों का कहना है कि यह दृश्य और वीडियो का कॉन्सेप्ट आपत्तिजनक है।

विवाद बढ़ने के बाद, गुरु रंधावा ने सीधे तौर पर कोई बयान जारी नहीं किया, लेकिन उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर कुछ पोस्ट शेयर किए। उन्होंने पंजाबी में लिखा, 'जदो मैं सब नू खुश करने लगा, दुखी हो गया। अज्ज मैं खुद खुश हूं, सब दुखी हो गए।' (जब मैंने सबको खुश करने की कोशिश की, तो मैं दुखी था। आज, जब मैं खुद खुश हूं, तो बाकी सब दुखी हैं।) इससे पहले उन्होंने एक और पोस्ट में गाने की सफलता के लिए भगवान का शुक्रिया अदा किया था। उन्होंने लिखा, 'अजुल इज अजुलिंग। जब भगवान आपके साथ होते हैं, तो आप आगे बढ़ते हैं।' यह गाना गुरु रंधावा ने ही लिखा और कंपोज किया है, जिसके अतिरिक्त बोल गुरजीत गिल ने लिखे हैं।

दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में जगदीशन करेगा साउथ जोन टीम की कप्तानी, तिलक को जाना दुबई

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के बल्लेबाज मोहम्मद अजहरुद्दीन को नॉर्थ जोन के खिलाफ चार सितंबर से बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी 2025 सेमीफाइनल के लिए रविवार को तिलक वर्मा की जगह दक्षिण क्षेत्र का कप्तान नियुक्त किया गया है। तिलक वर्मा को टी20 एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम में चुना गया है और इसलिए वह आगे दलीप ट्रॉफी में नहीं खेलेंगे। 4 सितंबर को भारतीय खिलाड़ियों को दुबई पहुंचना है, जबकि दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल भी इसी दिन से शुरू होने हैं।

तिलक वर्मा के साथ अजहरुद्दीन टीम के उपकप्तान थे और अब उप-कप्तान की भूमिका तमिलनाडु के एन जगदीशन को सौंप दी गई है। तमिलनाडु के बाएं हाथ के स्पिनर आर साई किशोर भी सेमीफाइनल में नहीं खेलेंगे, क्योंकि वह अभी हाथ की चोट से उबर रहे हैं। पुडुचेरी के अंकित शर्मा और आंध्र के शेख रशीद को दलीप ट्रॉफी के अंतिम चार के मैचों के लिए दक्षिण क्षेत्र की टीम में शामिल किया गया है। इन दोनों खिलाड़ियों को पहले स्टैंडबाय में रखा गया था।

अंकित बाएं हाथ के स्पिनर हैं जिन्होंने 68 प्रथम श्रेणी मैचों में 168 विकेट लिए हैं। रशीद शीर्ष क्रम के बल्लेबाज हैं, जिन्होंने रणजी ट्रॉफी के 19 मैच में 1204 रन बनाए हैं। कई अनुभवा खिलाड़ी इस टीम के पास हैं। हालांकि, नॉर्थ जोन के पास भी अच्छे खिलाड़ियों की भरमार है जिससे ये मुकाबला और भी ज्यादा खास हो जाएगा। दोनों क्वार्टर फाइनल मैच ड्रॉ रहे हैं। ऐसे में अब सेमीफाइनल मैच ज्यादा दिलचस्प हो जाएंगे।

बड़े स्थानीय बाजार की बदौलत भारतीय उद्योग जगत सहज स्थिति में : गोयल

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारतीय उद्योग जगत 1.4 अरब लोगों के घरेलू बाजार के कारण आरामदायक, सहज स्थिति में है और उन्हें वैश्विक स्तर पर अवसर तलाशने की जरूरत है।

भारतीय अर्थव्यवस्था पर उच्च अमेरिकी शुल्क के प्रभाव को लेकर गहरी चिंताओं के बीच गोयल ने यह टिप्पणी की। उन्होंने भारतीय उद्योग जगत से किसी भी नकारात्मक दलील से प्रभावित न होने को कहा और याद दिलाया कि जून में देश की जीडीपी वृद्धि दर बढ़कर 7.8 प्रतिशत हो गई है।

गोयल ने भरोसा जताया कि इस साल कुल निर्यात बढ़ेगा और यह भी बताया कि अमेरिका को होने वाले 87 अरब डॉलर के निर्यात में 46 अरब डॉलर से ज्यादा पर शुल्क बढ़ाने का कोई असर नहीं है। गोयल ने कहा कि शुक्रवार को आए वृद्धि दर के आंकड़ों ने सरकार में किसी को भी आश्चर्यचकित नहीं किया। उन्होंने कहा कि ये आंकड़े लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, अर्थशास्त्रियों और मीडिया के कुछ वर्गों जैसे नकारात्मक और निराशावादियों के लिए एक जोरदार जवाब है।

गोयल ने यहां एक कार्यक्रम के दौरान पीटीआई वीडियोज को बताया, भारत लचीलेपन और आत्मविश्वास से भरा है और अगले 22 वर्षों तक सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बने रहने के लिए उत्सुक है।

भारत आगे भी इसी तरह आगे बढ़ता रहेगा। हमारा निर्यात बढ़ता रहेगा, हम इस साल पिछले साल से ज्यादा निर्यात करेंगे और भविष्य बेहद उज्ज्वल है। उद्योग निकाय सीआईआई के कार्यक्रम भारत-यूएई व्यापार संवाद में गोयल ने स्वीकार किया कि घरेलू बाजार विकास के सबसे बड़े चालकों में से एक है और उन्होंने उद्योग की भूमिका पर भी खुलकर बात की।

उन्होंने कहा, मुझे अक्सर लगता है कि 1.4 अरब का विशाल घरेलू बाजार एक तरह से आरामदायक क्षेत्र बन गया है। हमारे व्यवसाय यहां अच्छा मुनाफा कमाते हैं और दुनिया भर में अवसरों की तलाश में बाहर नहीं निकलते।

गोयल ने कहा कि भारतीय उद्योग बहुत कम मूल्यवर्धन करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें व्यवसायों और लोगों, दोनों पर भरोसा करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार उद्योग जगत के साथ मिलकर किसी भी बाधा का समाधान करने के लिए तैयार है।

हीरो एशिया कप 2025 राजगीर : दूसरे दिन गोलों की बरसात और पूल-बी में उलटफेर

नई दिल्ली (एजेंसी)। हीरो एशिया कप राजगीर, बिहार 2025 का दूसरा दिन रोमांच से भरपूर रहा, जब पूल-बी के मुकाबले सुर्खियों में छा गए। दर्शकों ने दो यादगार मैच देखे – पहला जबरदस्त गोलों की बारिश वाला और दूसरा एक रोमांचक रणनीतिक जंग जो अंतिम क्षणों तक संघर्षपूर्ण रहा।

बांग्लादेश ने चीनी ताइपेई पर 8-3 की शानदार जीत दर्ज की, लेकिन स्कोरलाइन पूरी कहानी नहीं बताती। हाफ-टाइम तक मुकाबला 2-2 पर बराबरी पर था और चीनी ताइपेई ने जबरदस्त जुझारूपन दिखाया। लेकिन दूसरे हाफ़ में बांग्लादेश ने आक्रामक खेल का तूफ़ान ला दिया और छह गोल दागकर टूर्नामेंट की अपनी पहली जीत हासिल कर ली।

दिन का दूसरा मुकाबला पूल-बी की एक क्लासिक भिड़ंत थी, जिसमें कोरिया और मलेशिया आमने-सामने थे। हाफ-टाइम तक स्कोर 1-1 से बराबरी पर था। लेकिन दूसरे हाफ़ में मलेशिया ने अपने मौक़ों का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए तीन गोल दागे और 4-1 से बड़ी जीत दर्ज की। यह नतीजा पूल-बी की अंक तालिका के लिए अहम साबित हो सकता है, क्योंकि मलेशिया ने खुद को गंभीर दावेदार के रूप में पेश किया।

पवन सिंह ने अंजलि राघव को गलत तरीके से छूने पर मांगी सार्वजनिक माफी, एक्ट्रेस ने किया भोजपुरी इंडस्ट्री छोड़ने का ऐलान

भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह ने अपनी सह-कलाकार अंजलि राघव से माफ़ी मांगी है, क्योंकि उन्होंने भोजपुरी इंडस्ट्री छोड़ने का फैसला किया है। राघव ने एक इंस्टाग्राम वीडियो में सिंह पर बिना सहमति के उन्हें छूने का आरोप लगाया था। अब अंजलि ने अपने अनुचित व्यवहार के लिए माफ़ी मांगी है। भोजपुरी अभिनेता ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर हिंदी में एक नोट शेयर किया, जिसमें लिखा था, 'अंजलि जी, व्यस्त शेड्यूल के कारण मैं आपका लाइव नहीं देख पाया। मुझे जब इस बात की जानकारी हुई, तो मुझे बुरा लगा।' हाल ही में लखनऊ में एक कार्यक्रम के दौरान, पवन ने अंजलि की कमर को बार-बार छुआ और दावा किया कि कुछ फँस गया है, जबकि अंजलि असहज दिख रही थीं। इस घटना की काफी आलोचना हुई और अभिनेता को सार्वजनिक रूप से माफ़ी मांगनी पड़ी।

शनिवार को इंस्टाग्राम स्टोरीज़ पर पवन ने कहा कि अंजलि के प्रति उनका कोई गलत इरादा नहीं था। उन्होंने हिंदी में एक माफ़ीनामा लिखा, जिसमें लिखा था, 'अंजलि जी, व्यवस्थित शेड्यूल के कारण मैंने आपको लाइव नहीं देखा। मुझे जब इस बात की जानकारी हुई, तो मुझे बुरा लगा।' उन्होंने आगे कहा, 'मेरा आपके प्रति कोई भी गलत इरादा नहीं था क्योंकि हमलोग कलाकार हैं। इसके लिए बकवास, अगर आपको हमारी कोई भी ब्यावाहर से तकलीफ हुई हो तो उसके लिए मैं शमा प्रार्थी हूं।'

हरियाणवी संगीत वीडियो में अपनी उपस्थिति के लिए मशहूर अंजलि राघव ने शनिवार को अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर दो वीडियो साझा किए और बताया कि लखनऊ कार्यक्रम में क्या हुआ। उन्होंने घटना को याद करते हुए कहा, 'मैं दो दिनों से बहुत परेशान हूं। मुझे डीएम जारी रखें, जो लखनऊ वाला हादसा हुआ, उसमें मैंने कुछ क्यों नहीं बोला, एक्शन क्यों नहीं लिया, थप्पड़ क्यों नहीं मारा। और कुछ लोग मुझे ही गलत समझ रहे हैं; कुछ मीम्स पर लिख रहे हैं।' तो हंस रही थी, मजा ले रही थी।' क्या पब्लिक में मुझे टच करके जाने से मुझे खुशी होगी?' एक वीडियो में उन्होंने भोजपुरी इंडस्ट्री छोड़ने का जिक्र करते हुए कहा, 'मैं भोजपुरी इंडस्ट्री में अब काम नहीं करूंगी। कलाकार हूं, तो नई चीज ट्राई करने का मन करता है, लेकिन मैं अपने परिवार और हरियाणा में खुश हूं।' अंजलि ने इंस्टाग्राम पर पवन की माफ़ी का जवाब देते हुए अपनी स्टोरी पर उनकी माफ़ी दोबारा पोस्ट की और लिखा, पवन सिंह जी ने अपनी गलती मान ली और माफ़ी मांग ली। वो मुझसे बड़े हैं और सीनियर आर्टिस्ट हैं। मैंने उन्हें माफ़ कर दिया है। मैं इस मामले को और आगे नहीं बढ़ाना चाहती। जय श्री राम।

पवित्र रिश्ता में अंकिता लोखंडे की बहन 'वर्षा' उर्फ प्रिया मराठे की मौत, 38 साल की उम्र में हारी जिंदगी की जंग

मराठी और हिंदी टेलीविजन की मशहूर अभिनेत्री प्रिया मराठे कैंसर से जंग हार गईं। प्रिया मराठे ने महज 38 साल की उम्र में अपने आवास पर अंतिम सांस ली और उनके निधन से मराठी मनोरंजन जगत में शोक की लहर दौड़ गई। पिछले कुछ दिनों से प्रिया मराठे मुंबई के एक निजी अस्पताल में कैंसर का इलाज करा रही थीं। हालाँकि, कैंसर से उनकी जंग नाकाम रही और रविवार, 31 अगस्त को सुबह 4 बजे मीरा रोड स्थित उनके आवास पर उनका निधन हो गया। शाम 4 बजे उनके पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार किया जाएगा।

एद्रैब म्दहूग्हले ंात्दै ूर्पै

प्रिया मराठे को कुछ साल पहले कैंसर का पता चला था। इस बीच, वह इस गंभीर बीमारी से उबर चुकी थीं। हालाँकि, हाल ही में, कैंसर उनके शरीर में फिर से फैलने लगा। आखिरकार, शनिवार सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली। प्रिया मराठे इस बीच कैंसर से भी उबर चुकी थीं। इसके बाद उन्होंने विदेश में एक नाटक का दौरा किया था। हालाँकि, पिछले कुछ महीनों में, कैंसर ने फिर से सिर उठा लिया था। पिछले कुछ दिनों से उनका इलाज चल रहा था। हालाँकि, उनका शरीर इलाज पर प्रतिक्रिया नहीं दे रहा था। दुर्भाग्य से, शनिवार सुबह उनका निधन हो गया।

प्रिया मराठे का जन्म 23 अप्रैल 1987 को ठाणे, महाराष्ट्र में हुआ था। वह 38 वर्ष की थीं। उनका पालन-पोषण मराठी संस्कृति वाले परिवार में हुआ। 11वीं कक्षा में पढ़ते समय, प्रिया को कॉलेज की नाटक प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर मिला और वहीं से उनके अभिनय का सफ़र शुरू हुआ। अभिनय के प्रति बढ़ते आकर्षण को उन्होंने करियर के रूप में अपनाया।

प्रिया मराठेः एक बहुमुखी और प्रिय कलाकार

प्रिया की यात्रा दो दशकों से अधिक समय तक चली, जो मराठी धारावाहिकों से शुरू हुई और हिंदी टीवी में प्रभावशाली भूमिकाओं तक चली गई। उनकी यादगार प्रस्तुतियों में शामिल हैंः

बता दें, उन्होंने अपने अभिनय की शुरुआत मराठी श्रृंखला 'या सुखानो या' से की थी, जो 2007 में ज़ी मराठी पर प्रसारित हुई थी। उन्होंने चार दिवस सासुचे, या सुखानो या और हाल ही में तुज़ेच मि गीत गात आहे जैसी हिट फिल्मों में भी अभिनय किया।

विद्या बाली के रूप में 'कसम से' में उनके प्रदर्शन ने हिंदी टेलीविजन में उनके प्रवेश को चिह्नित किया। 'कॉमेडी सर्कस' में भाग लेने के अलावा, उन्होंने 'तू तीथे में' (खिलाड़ी प्रिया मोहिते के रूप में) और 'बड़े अच्छे लगते हैं' (ज्योति मल्होत्रा के रूप में) जैसे धारावाहिकों में अभिनय करके अपनी हास्य प्रतिभा का परिचय दिया।

प्रिया का विवाह अभिनेता शांतनु मोघे से हुआ था, जो स्वराज्यरक्षक संभाजी में छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमिका निभाने के लिए जाने जाते थे। इस जोड़े ने पर्दे पर और पर्दे के पीछे, दोनों जगह एक खूबसूरत सफर साझा किया।

गलवान घाटी के शहीदों को भूली सरकार, अमेरिकी दबाव में झुके मोदी? भारत-चीन की नयी दोस्ती पर उठाए कांग्रेस ने सवाल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दुनिया के दो सबसे ज़्यादा आबादी वाले देश - जिनके पास दुनिया की दो सबसे बड़ी सैन्य शक्तियाँ हैं - अपनी लंबी और विवादित ऊँचाई वाली सीमा पर हफ़्तों से आमने-सामने थे। 5 मई 2020 से शुरू होकर, चीनी और भारतीय सैनिकों के बीच लद्दाख और तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में विवादित पैंगोंग झील के पास और सिक्किम और तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र के बीच सीमा के पास, चीन-भारत सीमा पर कई स्थानों पर आक्रामक हाथापाई, आमना-सामना और झड़पें हुईं। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भी कई स्थानों पर झड़पें हुईं।

मई के अंत में, चीनी सेना ने गलवान नदी घाटी में भारतीय सड़क निर्माण पर आपत्ति जताई। भारतीय सूत्रों के अनुसार, 15-16 जून 2020 को हुई हाथापाई में चीनी और भारतीय सैनिकों की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि दोनों पक्षों के सैनिकों को बंदी बना लिया गया और अगले कुछ दिनों में रिहा कर दिया गया, जबकि दोनों पक्षों के आधिकारिक सूत्रों ने इससे इनकार किया। 7 सितंबर को, 45 वर्षों में पहली बार, एलएसी पर गोलियां चलाई गईं, दोनों पक्षों ने गोलीबारी के लिए एक-दूसरे को दोषी ठहराया। भारतीय मीडिया ने यह भी बताया कि भारतीय सैनिकों ने 30 अगस्त को पीएलए पर चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाईं।

अब लगभग 7 साल बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 31 अगस्त को तियानजिन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। यह 2020 के गलवान संघर्ष के बाद उनकी पहली चीन यात्रा है, 2020-2021 चीन-भारत झड़पों ने द्विपक्षीय संबंधों को गंभीर रूप से तनावपूर्ण बना दिया था। इस मुलाकात को दो एशियाई दिग्गजों के बीच संबंधों को फिर से स्थापित करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है, जो कभी बातचीत तो कभी टकराव के बीच उलझे रहे हैं। अब शी से मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को 2026 में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान भारत आने का निमंत्रण दिया है। शी जिनपिंग ने निमंत्रण के लिए उन्हें धन्यवाद दिया और नई दिल्ली को इसकी अध्यक्षता के लिए अपना पूर्ण समर्थन देने की पेशकश की। विदेश मंत्रालय ने रविवार को तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों नेताओं के बीच हुई बैठक के बाद यह जानकारी दी।

आगामी वार्ता को लेकर एक अहम सवाल यह है- क्या तियानजिन में कोई नया आयाम जुड़ सकता है? यह मुलाकात मोदी-शी संबंधों के जटिल इतिहास को

दर्शाती है, जिसमें सभ्यतागत जुड़ाव से लेकर सैन्य टकराव तक शामिल है, क्योंकि दोनों देश आगे बढ़ने का रास्ता तलाश रहे हैं। क्या मोदी सरकार गलवान घाटी में जो कुछ हुआ है वह भूल गयी है?

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच रविवार को मुलाकात के बाद कांग्रेस ने केंद्र पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि क्या "न्यू नॉर्मल" (नयी सामान्य स्थिति) चीन की आक्रामकता और "सरकार की कायरता" से परिभाषित किया जाना चाहिए। कांग्रेस ने सवाल किया कि क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का चीन के साथ सुलह पर जोर देना वास्तव में उसकी क्षेत्रीय आक्रामकता को वैध ठहरा रहा है। मोदी ने तियानजिन में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ अपनी बैठक में कहा कि भारत आपसी विश्वास, सम्मान और संवेदनशीलता के आधार पर चीन के साथ अपने संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

कांग्रेस महासचिव एवं संचार प्रभारी जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, "आज प्रधानमंत्री मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच हुई मुलाकात का आकलन निम्नलिखित संदर्भों में किया जाना चाहिए- जून 2020 में गलवान घाटी में चीनी आक्रामकता के चलते हमारे 20 सबसे बहादुर जवानों ने अपनी जान की कुर्बानी दी। इसके बावजूद, 19 जून 2020 को प्रधानमंत्री मोदी ने चीन को कायराना तरीके से (कुख्यात) क्लीन चिट दे दी।" उन्होंने कहा कि सेना प्रमुख ने लद्दाख में चीन के साथ सीमा पर यथास्थिति की पूर्ण बहाली की मांग की थी। रमेश ने कहा, "लेकिन इसे हासिल करने में विफल रहने के बावजूद मोदी सरकार ने चीन के साथ सुलह की दिशा में कदम बढ़ाए जिससे चीन की उस क्षेत्र में आक्रामकता को अप्रत्यक्ष रूप से वैधता मिल गई।"

उन्होंने कहा कि चार जुलाई, 2025 को उप-सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल राहुल सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के साथ चीन की 'जुगलबंदी' पर जोरदार और स्पष्ट रूप से बात की थी। रमेश ने कहा, "मगर इस अशुभ गठजोड़ पर ठोस प्रतिक्रिया देने के बजाय मोदी सरकार ने इसे नियति मानकर चुपचाप स्वीकार कर लिया और अब चीन को राजकीय दौरों से पुरस्कृत कर रही है।" उन्होंने कहा कि चीन ने यारलुंग त्संगपो पर एक विशाल जलविद्युत परियोजना की घोषणा की है जिसके "हमारे उत्तर-पूर्वी राज्यों पर बेहद गंभीर प्रभाव पड़ेंगे लेकिन मोदी सरकार की तरफ से इस मुद्दे पर एक शब्द भी नहीं बोला गया।"

रमेश ने दावा किया कि चीन से आयात की अनियंत्रित 'डंपिंग' जारी है, जिसने हमारी एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम) इकाइयों को बुरी तरह प्रभावित किया है। 'डंपिंग' का अर्थ होता है कि निर्माता द्वारा किसी उत्पाद को सामान्य मूल्य से कम कीमत पर दूसरे देश को निर्यात करना जिससे उस देश को नुकसान होता है।

राहुल गांधी का बिहार में महत्व नहीं, तेजस्वी के सीएम कैंडिडेट बनने पर भाजपा का कटाक्ष

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को बिहार के आरा में आयोजित 'मतदाता अधिकार यात्रा' की रैली के दौरान खुद को महागठबंधन का मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर दिया। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर अपनी नीतियों की नकल करने का आरोप लगाते हुए उन्हें 'नकलची मुख्यमंत्री' करार दिया।

इस घोषणा ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। तेजस्वी के इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा, 'कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी का वहां (बिहार में) कोई महत्व नहीं है... वहीं, तेजस्वी यादव बिना किसी सलाह-मशविरा के घोषणाएं कर देते हैं। इससे पता चलता है कि उनका क्या महत्व है।'

तेजस्वी यादव ने अपनी चुनावी रणनीति का खुलासा करते हुए कहा कि भाजपा 'डरी हुई है' और उनके 'विजन को लागू करना चाहती है'। उन्होंने भीड़ को संबोधित करते हुए कहा कि अभी बहुत कुछ बाकी है, जिसका खुलासा वे चुनाव की अधिसूचना जारी होने के बाद करेंगे। तेजस्वी ने यह भी कहा, 'बिहार में हर कोई कह रहा है कि हमें असली सीएम चाहिए, डुप्लीकेट सीएम नहीं।' उन्होंने कहा, 'हमने माता जानकी का आशीर्वाद लिया और हम सभी चाहते हैं कि बिहार का विकास हो।' अपनी बात को और प्रभावी बनाने के लिए उन्होंने एक नारा भी दिया, 'धान की रोटी तवा में, विरोधी उड़ गये हवा में'।

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सिर्फ उनकी नीतियों की नकल कर रहे हैं और घोषणाएं कर रहे हैं। तेजस्वी ने राहुल गांधी की मौजूदगी में भीड़ की जोरदार जय-जयकार के बीच कहा, 'तेजस्वी आगे बढ़ रहे हैं। सरकार उनके पीछे चल रही है।' इसके बाद उन्होंने जनता से पूछा कि उन्हें 'असली मुख्यमंत्री' चाहिए या 'डुप्लीकेट मुख्यमंत्री'। फिर उन्होंने खुद को गठबंधन का 'असली मुख्यमंत्री' उम्मीदवार घोषित कर दिया।

अमेरिकी शुल्क से जयपुर, जोधपुर सहित पूरे राजस्थान के हस्तशिल्प निर्यातक परेशान : गहलोत

जयपुर **(एजेंसी)**। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को कहा कि अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर लगाए गए शुल्कों से राज्य के हस्तशिल्प उद्योग से जुड़े निर्यातक परेशान हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि हस्तशिल्प के प्रमुख केंद्र जयपुर और जोधपुर इस स्थिति का सबसे ज्यादा खामियाजा भुगत रहे हैं।

गहलोत ने चेतावनी दी कि निर्यात में कमी से राज्य की

अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ सकता है और इन उद्योगों में कार्यरत कारीगरों और श्रमिकों की आजीविका खतरे में पड़ सकती है। उन्होंने स्थिति को अप्रिय बताया और केंद्र से शुल्कों से उत्पन्न चुनौतियों को कम करने के लिए त्वरित और निर्णायक कदम उठाने का आग्रह किया।

पूर्व मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर लिखा "केंद्र सरकार को इस चुनौती से निपटने के लिए जल्द से जल्द ठोस कदम उठाने होंगे तथा निर्यातकों को भरोसा दिलाना होगा कि सरकार उनके साथ हर स्थिति में खड़ी है ताकि उनका मनोबल प्रभावित न हो एवं सभी की आजीविका चलती रहे।" गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार को अमेरिकी शुल्क से प्रभावित व्यापारियों के लिए विशेष पैकेज भी तैयार करना चाहिए।

मोहम्मद अज़हरुद्दीन तेलंगाना विधान परिषद के लिए मनोनीत, कांग्रेस नेताओं का जताया आभार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और कांग्रेस नेता मोहम्मद अज़हरुद्दीन को तेलंगाना में राज्यपाल कोटे के तहत विधान परिषद सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया है। उन्होंने कैबिनेट के इस फैसले पर खुशी जाहिर करते हुए इसे 'सम्मानित और विनम्र' करने वाला क्षण बताया।

अज़हरुद्दीन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल का आभार व्यक्त किया। उन्होंने इन नेताओं के विश्वास के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। साथ ही, उन्होंने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क, टीपीसीसी प्रमुख महेश गौड़ और तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन को भी उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और राज्य की 'ईमानदारी और समर्पण' के साथ सेवा करने का वादा किया।

शनिवार, 30 अगस्त को, तेलंगाना कैबिनेट ने विधान परिषद के लिए दो नामों को मंजूरी दी, जिनमें प्रोफेसर एम. कोडंडाराम और मोहम्मद अज़हरुद्दीन शामिल हैं। यह कदम सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले के बाद आया है, जिसमें तेलंगाना जन समिति के संस्थापक कोडंडाराम और द सियासत डेली के समाचार संपादक आमेर अली खान के पिछले नामांकन रद्द कर दिए गए थे।

इन नामांकनों को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेताओं दासोजू श्रवण और कुर्रा सत्यनारायण ने कानूनी चुनौती दी थी। उनकी सिफारिशों

को 2023 में तत्कालीन राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन ने उनकी राजनीतिक संबद्धता के कारण खारिज कर दिया था। मार्च 2024 में, तेलंगाना उच्च न्यायालय ने राज्यपाल के फैसले को रद्द कर दिया था, और साथ ही कोडंडाराम और खान को नामित करने के कैबिनेट के फैसले को भी अमान्य घोषित कर दिया था। बाद में, सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि उच्च न्यायालय के फैसले के बाद दोनों को शपथ नहीं दिलाई जानी चाहिए थी।

अज़हरुद्दीन का नामांकन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि विधायक मगंती गोपीनाथ के निधन के बाद जुबली हिल्स उपचुनाव के लिए उन्हें पहले कांग्रेस का संभावित उम्मीदवार माना जा रहा था। अज़हरुद्दीन ने 2023 के विधानसभा चुनाव में इसी सीट से चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

पीएम मोदी का शी जिनपिंग को ब्रिक्स न्योता! सीमा विवाद के समाधान पर जोर, कहा- भारत-चीन प्रतिद्वंद्वी नहीं, विकास भागीदार

बीजिंग **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में आमंत्रित किया, जिसकी मेजबानी भारत 2026 में करेगा। प्रधानमंत्री मोदी शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के लिए चीन में हैं और रविवार को उन्होंने शी जिनपिंग से मुलाकात की। विदेश मंत्रालय की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने निमंत्रण के लिए प्रधानमंत्री मोदी का धन्यवाद किया और भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के लिए चीन के समर्थन की पेशकश की।

मंत्रालय ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और शी ने इस बात पर ज़ोर दिया है कि भारत और चीन 'प्रतिद्वंद्वी' नहीं, बल्कि 'विकास साझेदार' हैं और उनके बीच मतभेद विवादों में नहीं बदलने चाहिए। उन्होंने भारत और चीन के बीच स्थिर संबंधों पर भी ज़ोर दिया और कहा कि यह दोनों देशों के विकास और बहुध्रुवीय विश्व के लिए आवश्यक है।

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने शी के साथ बैठक में सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और सौहार्द के महत्व पर भी ज़ोर दिया। इसमें कहा गया है कि दोनों नेता पिछले साल पूर्वी लद्दाख से सैनिकों की सफल वापसी से संतुष्ट

थे।

विदेश मंत्रालय ने कहा, 'उन्होंने अपने समग्र द्विपक्षीय संबंधों और दोनों देशों के लोगों के दीर्घकालिक हितों के राजनीतिक परिप्रेक्ष्य से सीमा विवाद के निष्पक्ष, उचित और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने इस महीने की शुरुआत में दोनों विशेष प्रतिनिधियों द्वारा अपनी वार्ता में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों को मान्यता दी और उनके प्रयासों को आगे भी समर्थन देने पर सहमति व्यक्त की।'

दोनों नेताओं ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि सीधी उड़ानों और कैलाश मानसरोवर यात्रा की बहाली भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि बैठक के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी आगाह किया कि भारत-चीन संबंधों को किसी तीसरे देश के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए।

विदेश मंत्रालय ने कहा, 'दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों और चुनौतियों, जैसे आतंकवाद और बहुपक्षीय मंचों पर निष्पक्ष व्यापार, पर साझा आधार का विस्तार करना आवश्यक समझा।' साथ ही, प्रधानमंत्री मोदी ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की चीन की अध्यक्षता के लिए समर्थन व्यक्त किया।

बाद में, प्रधानमंत्री मोदी ने कैक्यूई से भी मुलाकात की, जो चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के पोलित ब्यूरो की स्थायी समिति की सदस्य हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा, 'प्रधानमंत्री ने श्री कैई के साथ द्विपक्षीय संबंधों के लिए अपने दृष्टिकोण को साझा किया और दोनों नेताओं के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए उनका समर्थन माँगा। श्री कैई ने दोनों नेताओं के बीच बनी सहमति के अनुरूप द्विपक्षीय आदान-प्रदान का विस्तार करने और संबंधों को और बेहतर बनाने की चीनी पक्ष की इच्छा दोहराई।'

वैश्विक बदलावों के बीच शी जिनपिंग का संदेश- भारत-चीन मिलकर गढ़ें बहुध्रुवीय विश्व का नया अध्याय

बीजिंग **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को चीन के बंदरगाह शहर तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन से इतर चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात के दौरान कहा कि भारत-चीन संबंधों का मार्गदर्शन आपसी विश्वास और सम्मान से होना चाहिए। इस द्विपक्षीय वार्ता की शुरुआत दोनों नेताओं के बीच हाथ मिलाने से हुई, जो दोनों पुराने प्रतिद्वंद्वियों के बीच सुलह की दिशा में अगले कदम का संकेत था। साथ ही, यह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए भी एक संदेश था, जिनके टैरिफ संबंधी आक्रामक रुख ने नई दिल्ली और बीजिंग, दोनों के साथ वाशिंगटन के संबंधों को खराब कर दिया है।

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से रविवार को कहा कि दोनों देशों का "मित्र" बनना "सही विकल्प" है तथा "हाथी (भारत) एवं ड्रैगन (चीन)" को एक-दूसरे की सफलता का मिलकर जश्न मनाना चाहिए। दोनों नेताओं के बीच यह वार्ता शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन से इतर हुई। शी ने कहा, "हम दोनों (देशों) के कंधों पर अपने लोगों के भले के लिए काम करने, विकासशील

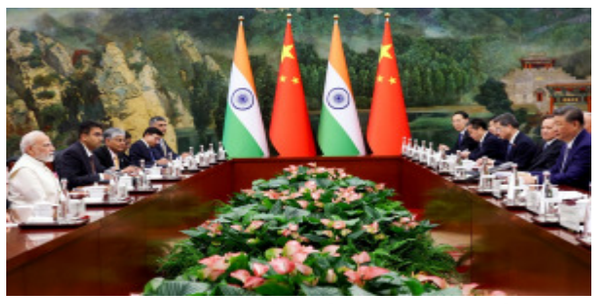

देशों का कायाकल्प करने एवं उनकी एकजुटता को बढ़ावा देने और मानव समाज की प्रगति को गति देने की ऐतिहासिक जिम्मेदारी है।"

उन्होंने कहा, "दोनों के लिए यह सही विकल्प है कि वे ऐसे दोस्त बनें जिनके बीच अच्छे पड़ोसियों वाले और सौहार्दपूर्ण संबंध हों, वे ऐसे साझेदार बनें जो एक-दूसरे की सफलता में सहायक हों और 'ड्रैगन' और हाथी एक साथ नृत्य करें।" चिनफिंग ने मोदी से बातचीत के दौरान कहा कि भारत और चीन को अपने संबंधों को "रणनीतिक" और "दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य" से देखना चाहिए।

शी ने कहा, "दोनों पक्षों को अपने संबंधों को रणनीतिक ऊंचाइयों और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखना एवं संभालना होगा ताकि हमारे द्विपक्षीय संबंधों का निरंतर, मजबूत और स्थिर विकास हो सके।" चीन की सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' की खबर के अनुसार, शी ने मोदी से कहा कि चीन और भारत प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि सहयोगी हैं तथा दोनों देश एक-दूसरे के लिए खतरा नहीं बल्कि विकास के अवसर हैं।

उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एकतरफा नीतियों पर स्पष्ट रूप से निशाना साधते हुए कहा कि दोनों देशों को बहुपक्षवाद को बनाए रखना चाहिए। शी ने कहा कि भारत और चीन को एक बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था बनाने और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को अधिक लोकतांत्रिक बनाने के लिए भी काम करना चाहिए। उन्होंने कहा, "हमें बहुपक्षवाद को बनाए रखने, एक बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को अधिक लोकतांत्रिक बनाने के लिए मिलकर काम करने और एशिया एवं दुनिया भर में शांति और समृद्धि में उचित योगदान देने की अपनी ऐतिहासिक जिम्मेदारी को भी आगे बढ़ाना होगा।"

सितंबर में फलस्तीनी राष्ट्र को मान्यता देने के मैक्रों के फैसले से इजराइल एवं अमेरिका नाराज

यरुशलम **(एजेंसी)**। फलस्तीन को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता देने के फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के निर्णय के बाद अन्य पश्चिमी देशों ने भी इसी प्रकार के कदम उठाए जिसे लेकर इजराइल और उसके सहयोगी अमेरिका में नाराजगी है। इस फैसले ने गाजा में जारी विनाशकारी युद्ध को समाप्त करने के कूटनीतिक प्रयासों के केंद्र में दो-राष्ट्र समाधान को एक बार फिर से ला खड़ा किया। पिछले सप्ताह इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को लिखे एक पत्र में राष्ट्रपति मैक्रों ने लिखा, 'फलस्तीनी जनता को उनका अपना राष्ट्र दिलाने के हमारे संकल्प की जड़ें इस विश्वास से जुड़ी हैं कि स्थायी शांति इजराइल की सुरक्षा के लिए अनिवार्य है।'

मैक्रों ने कहा, 'फ्रांस के कूटनीतिक प्रयास गाजा में उस भयावह मानवीय आपदा पर हमारे आक्रोश से उत्पन्न हुए हैं, जिसका कोई औचित्य नहीं हो सकता।' इजराइल ने शुक्रवार को गाजा के सबसे बड़े शहर को युद्ध क्षेत्र घोषित कर दिया। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, सात अक्टूबर 2023 को हमास के नेतृत्व में इजराइल पर हमले के साथ शुरू हुए युद्ध में अब तक 63, 000 से अधिक फलस्तीनी मारे जा चुके हैं।

फ्रांस, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और माल्टा ने कहा है कि वे 23 सितंबर से शुरू हो रही संयुक्त राष्ट्र महासभा की वार्षिक बैठक के दौरान फलस्तीन को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता देने के अपने संकल्प को औपचारिक रूप देंगे। न्यूजीलैंड, फिनलैंड और पुर्तगाल सहित कुछ अन्य देश भी इसी तरह के कदम पर विचार कर रहे हैं। नेतन्याहू ने फलस्तीनी राष्ट्र का दर्जा अस्वीकार कर दिया है और वह गाजा में सैन्य अभियान बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। इजराइल और अमेरिका का कहना है कि फलस्तीनी राष्ट्र को मान्यता देने से चरमपंथियों का हौसला बढ़ता है।

एससीओ बैठक में मोदी अग्रणी, वैश्विक शक्ति के रूप में भारत का बढ़ता कद

बीजिंग **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को चीन में हुई शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में ग्रुप फोटो में सबसे आगे खड़े थे। इस फोटो में उनके साथ रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी थे, जिन्होंने इस मीटिंग की मेजबानी की थी।

इस मीटिंग में दुनिया भर के बड़े नेता आए थे। शी जिनपिंग ने अपनी पत्नी पेंग लियुआन के साथ तियानजिन शहर में एक डिनर भी रखा था।

इस ग्रुप फोटो में प्रधानमंत्री मोदी के साथ शी जिनपिंग, पुतिन, तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोआन और मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज़्ज़ू भी शामिल थे। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ भी इस फोटो में आगे की लाइन में खड़े थे।

प्रधानमंत्री मोदी का इस तरह आगे खड़े होना दिखाता है कि दुनिया में भारत की ताकत लगातार बढ़ रही है और एससीओ जैसी संस्थाओं में उसकी भूमिका बहुत खास है। यह मीटिंग इसलिए भी जरूरी थी क्योंकि इसमें शामिल देशों की आर्थिक और सुरक्षा से जुड़ी कई बातें एक जैसी हैं।

किसी के निर्देश पर नहीं चलेंगे, रूस से तेल खरीद पर पीटर नवारो को पूर्व राजनयिक ने दिया करारा जवाब

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। भारत के पूर्व विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता विकास स्वरूप ने व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो की टिप्पणियों के संदर्भ में यह चेतावनी दी है कि ट्रंप प्रशासन भारत पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है।

नवारो ने हाल ही में भारत के खिलाफ तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है, जिसमें उन्होंने भारत को 'शुल्कों का महाराजा' कहा और रूस से तेल खरीदने के लिए उसकी आलोचना की है। इस पर, विकास स्वरूप ने करारा जवाब दिया कि भारत ने हमेशा रणनीतिक स्वायत्तता के सिद्धांत का पालन किया है और किसी के 'निर्देश' पर नहीं चलेगा।

एक समाचार एजेंसी एएनआई को दिए साक्षात्कार में, स्वरूप ने कहा, 'मौजूदा संबंध अच्छे नहीं हैं। हम सभी ने सोचा था कि प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच जो व्यक्तिगत संबंध विकसित हुए हैं और राष्ट्रपति ट्रंप वास्तव में प्रधानमंत्री मोदी का सम्मान करते हैं, उसे देखते हुए, हमें लगा था कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता जल्द हो जाएगा। लेकिन दुर्भाग्य से, ऐसा नहीं हुआ। अमेरिकी अधिकारी भारत पर हर तरह का दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन भारत एक बहुत ही गौरवान्वित राष्ट्र है। भारत एक ऐसा देश है जिसने हमेशा रणनीतिक स्वायत्तता के सिद्धांत का पालन किया है। हम किसी के निर्देश पर नहीं चलेंगे।'

स्वरूप ने दोनों देशों के बीच प्रगति की उम्मीद जताते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि दोनों पक्षों के लिए एक पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान खोजने का समय अभी भी बाकी है।' हालांकि, उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि 'निश्चित रूप से, ट्रंप प्रशासन, खासकर पीटर नवारो की ओर से आ रही वर्तमान टिप्पणियां, इस मामले में कोई मदद नहीं कर रही हैं।'

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 | Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 | Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2012/52437 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स टिकरी, कमला नगर, प्रयागराज से मुद्रित एवं 80-ए मेहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 से प्रकाशित एवं सम्पादित।
● सम्पादक विनीता शर्मा ● मोबाइल : 9415975437, 7007837917, 9415223357 ● E-Mail : editormantrabharat@gmail.com ● वैधानिक सूचनाः- मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र प्रयागराज न्यायालय होगा।